# अवध की आवाज

राष्ट्रीय हिन्दी दैनिक समाचार पत्र राजधानी लखनऊ उत्तर प्रदेश से प्रकाशित

www.avadhkaawaz.com

वर्ष–10 अंक–207 R.N.I.- UPHIN/2012/45127 लखनऊ बुधवार 27 अक्टूबर 2021 पृष्ठ – 8 मूल्य–3 रूपया


## संक्षिप्त समाचार

### बिजली विभाग की लापरवाही से गयी पति–पत्नी की जान

उन्नाव। थाना फतेहपुर चौरासी के ग्राम टांडामीता निवासी रामकुमार उर्फ कुँवारे पुत्र डोरी लाल व उनकी पत्नी कमला आज सुबह खेत पर काम काम कर रहे थे खेत मे लगे खंभे में उतरे करंट से चपेट में आ जाने से दोनों की मौत हो गई।

### बिजली विभाग की लापरवाही से गयी पति–पत्नी की जान

अवध की आवाज

उन्नाव। थाना फतेहपुर चौरासी के ग्राम टांडा मीता निवासी रामकुमार उर्फ कुँवारे

पुत्र डोरी लाल व उनकी पत्नी कमला आज सुबह खेत पर काम काम कर रहे थे खेत मे लगे खंभे में उतरे करंट से चपेट में आ जाने से दोनों की मौत हो गई।

### थाना मोतीगंज पुलिस द्वारा, शांति भंग करने के मद्देनजर पुलिस द्वारा की गई भारी कार्यवही

अवध की आवाज

गोंडा। एसपी संतोष कुमार मिश्रा गोंडा के आदेश अनुसार कोई भी व्यक्ति हो यदि शांति व्यवस्था को भंग कर रहा हो उसे क्षमा न किया जाए। इस प्रकार, इस आदेश को

मध्य नजर रखते हुए थाना मोतीगंज के उप निरीक्षक राकेश पाल , कांस्टेबल राहुल चौहान ने राम बहादुर पुत्र दया राम निवासी ग्राम पर सोनी , मौजा सुहास थाना मोतीगंज जनपद गोंडा से गिरफ्तार करके न्यायालय किया गया रवाना। दिनांक 26/10/2021 को उप निरीक्षक राकेश पाल द्वारा निरोधात्मक कार्यवाही के अंतर्गत अभियुक्त द्वारा शांति व्यवस्था भंग करने के कारण धारा 151/107/116 सी आर पी सी की कार्यवाही कर अभियुक्त का चालान न्यायालय रवाना किया गया। अभियुक्त द्वारा जमीन के कब्जे दारी को लेकर शांति व्यवस्था को भंग किया गया था।।

## भाजपा के सम्मेलन में योगी ने विपक्ष से पूछे सवाल

### प्रदेश के लिए इन लोगों ने कुछ किया होता तो प्रदेश का युवा पलायन करने को मजबूर नहीं होता

लखनऊ, (वेब वार्ता)। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंगलवार को इंदिरा गांधी प्रतिष्ठान में मंगलवार को भाजपा की तरफ से आयोजित सामाजिक प्रतिनिधि सम्मेलन में सूबे के पूर्व मुख्यमंत्री रहे स्वर्गीय कल्याण सिंह को याद किया। उन्होंने कहा कि कल्याण सिंह का जन्म और पालन पोषण लोधी समाज में हुआ लेकिन वह धर्म और राष्ट्र के लिए जिये।

योगी ने कहा कि बाबू जी के जीवन को देखकर यह कहा जा सकता है कि लोधी समाज धर्म और समाज के लिए लड़ने–जीने वाला है। इसी प्रकार अवंती बाई का नाम भी लिया जाता है। कल्याण सिंह ने अपने परिवार के लिए कुछ नहीं किया। वह धर्म और राष्ट्र के लिए जिये। बुलंदशहर के मेडिकल कॉलेज का नाम कल्याण सिंह के नाम पर किया गया है। बहुत शीघ्र ही उनकी भव्य प्रतिमा स्थापित की जाएगी।

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने कहा कि जब कोई आपराधिक मानसिकता के साथ काम करता है तो वह सामाजिक ताने बाने को छिन्न भिन्न करता है। 2017 के पहले की सरकारों में उत्तर प्रदेश ने देखा है। समाज का प्रत्येक व्यक्ति तबाह होता था। 2017 में बिगड़ी हुई व्यवस्था मिली थी। लोग पूछते थे कि कैसे होगा ? हम कहते थे स्वर्गीय बाबू जी ने यहां सरकार चलाकर नजीर पेश की है। उन्हीं के बताए रास्ते में हम भी कार्य करेंगे। प्रधानमंत्री मोदी के मार्गदर्शन में हमारी सरकार ने उसे पूरा किया।

मुख्यमंत्री ने कहा कि जो कार्य अब हो रहा है, वह पहले की सरकारों में भी हो सकता था।

कोरोना काल के दौरान केवल हमारी सरकार और उसके अलावा भाजपा और आरएसएस जैसे संगठन ही काम कर रहे थे। विपक्षी दल कहां सो गये थे। यह सभी लोग आइसोलेशन में चले गये थे। उत्तर प्रदेश की जनता 2022 के विधानसभा चुनाव में भी आइसोलेशन में भेज देगी। इसकी व्यवस्था होनी चाहिए। सपा और बसपा को इसी प्रदेश ने सरकार चलाने, सेवा करने का अवसर दिया था। कोरोना काल में यह हाथ खड़ा कर लिये थे। दूसरे दिल्ली वाले हैं। उन्होंने कोरोना काल में यूपी वालों को भगा दिया था। आज जब चुनाव आ रहा है तो यूपी वाले याद आ रहे हैं। यह फ्री देंगे, वह फ्री देंगे, की बात कर रहे हैं। पहले भगवान राम को स्वीकारने को तैयार नहीं थे। उनके अस्तित्व पर ही सवाल खड़ा कर रहे थे। आज वह भगवान राम का दर्शन करने के लिए अयोध्या जा रहे हैं। अच्छी बात है। भगवान राम की शरण में आना ही होगा। विपक्षी दलों का कोई भी नेता नहीं बचा होगा, जिसने स्वर्गीय बाबू जी (कल्याण सिंह) को कोसा नहीं है। मुख्यमंत्री योगी ने कहा कि पहले की सरकारों में सरकारी नौकरी को गिरवी समझा जाता था। हमारी सरकार में पारदर्शी व्यवस्था के तहत नौकरी मिल रही है। साढ़े चार लाख से अधिक युवाओं को नौकरी दी गयी है। पहले की सोच व्यक्तिगत थी, अपने परिवार तक थी। आज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी पूरे देश को अपना परिवार मानकर योजनाएं लाते हैं। पहले इफ्तार की पार्टी देने के लिए सरकारी दफ्तरों में होड़ लग जाती थी। होली, दिवाली, दशहरा जैसे पर्व आने पर कर्फ्यू लग जाता था। पहले के लोग हमें त्योहार नहीं मनाने देना चाहते थे। आज हम खुशी पूर्वक पर्व मना रहे हैं।

योगी ने कहा कि सपा का विज्ञापन निकला था। मै आ रहा हूं। इसके बाद उक्त जिले में अपहरण हो गया। सपा के आने का मतलब यही है कि अपहरण, भ्रष्टाचार, गुण्डागर्दी का बढ़ जाना। 2012 में सपा की सरकार आने के साथ ही आतंकियों पर दर्ज मुकदमे वापस लेने का काम किया गया। इसके उपरांत एक के बाद एक घटनाओं को उन लोगों ने अंजाम देना शुरू किया। 2013 में पश्चिम उत्तर प्रदेश दंगों की आग में जल रहा था। लोग पलायन करने को मजबूर थे। उनकी मंशा को हमें समझना होगा। सभागार में बैठ लोगों की तरफ मुखातिब होकर योगी ने कहा कि आप लोगों में जबरदस्त उत्साह देखने को मिल रहा है। मैंने इससे पहले इस सभागार को भरा हुआ नहीं देखा है। इस उत्साह को विधानसभा चुनाव तक बनाए रखना है। प्रदेश के लिए इन लोगों ने कुछ किया होता तो प्रदेश का युवा पलायन करने को मजबूर नहीं होता। इस मौके पर प्रदेश भाजपा अध्यक्ष स्वतंत्रदेव सिंह, केन्द्रीय मंत्री बीएल वर्मा, योगी सरकार के मंत्री संदीप सिंह, लाखन सिंह राजपूत, सांसद राजवीर सिंह रज्जू भैया समेत लोधी समाज से जुड़े अन्य विधायक और नेता मौजूद रहे।

## कदौरा में डीएपी खाद की आपूर्ति के बावजूद खाता विहीन किसान महंगी खाध खरीदने पर मजबूर

### सोसायटी खाध गोदाम के अलावा प्रायवेट फर्मों में धक्के खाकर किसानों को बेंची गयी 13 सौ में खाद सरकारी केंद्र पर अक्सर खाध का टोटा वही प्रायवेट फर्म भंडारण पर सोचने को मजबूर किसान

अवध की आवाज

कदौरा/जालौन ।डीएपी की समस्या पर गौरतलब करते हुए प्रसाशन ने कदौरा सोसायटी में तीन ट्रक खाध भिजवाकर आपूर्ति कराई गई लेकिन बिना खाताधारक किसानों को फिर भी मजबूरन प्रायवेट फर्मों से महंगी खाध खरीदने की मजबूरी रही ।लंबी लाइन होने के चलते हंगामा की सूचना पर पुलिस द्वारा खड़े होकर शांति पूर्वक खाध बांटी गई। गौररलब हो कि कदौरा नगर सहकारी समिति में डीएपी खाध की समस्या पर गौरतलब होने पर खाध की आपूर्ति प्रसाशन द्वारा करवाते हुए तीन ट्रक खाध शमिति में भिजवाई गयी जहां मंगलवार को शमिति गोदाम में खाताधारक किसानों को खाध वितरित की गयी। लेकिन फिर भी क्षेत्रीय बिना खताधारन किसान महंगी खाध खरीदने को मजबूर है। नगर सहकारी गोदाम के बगल में बिना खाताधारक किसान खाध के लिए लाइन लगाकर हंगामा काटते रहे जिसकी सूचना पर पुलिस द्वारा मौके पर पहुंचकर

शांति व्यवस्था तो बनाये रखी गयी लेकिन नगर के अलग अलग प्रायवेट फर्मों में 12 सौ कीमत की खाध को 13सौ व उससे भी महंगे दामो में खुलेआम बेचा गया ।वही नगर क्षेत्र की अधिकांश प्रायवेट दुकानों में किसानों में धक्का मुक्की करते हुए हंगामा कटा रहा कुछ किसानों द्वारा मौके से उच्चाधिकारियों को फोन लगाकर महंगी खाध बेचने की सूचना शिकायत भी दी गई। धक्के खा रहे किसानो में नौमान वेग पप्पू प्रजापति रिजवान वेग परमलाल शिववीर तशरीफ हाफिज देवीदीन प्रजापति द्वारा विरोध करते हुए कहा कि खाता न होने से उन्हें मजबूरन धक्के खाकर महंगी खाद लेनी पड़ रही है और प्राइवेट दुकानों में किसानों की मजबूरी का खुला फायदा उठाया जा रहा है और कोई सुनने वाला नही है। वही परेशान किसानों ने कहा कि बारिश के बाद लेट हो चुकी बुवाई का कार्य जारी है यदि समय पर खाध नही मिली तो बहुत नुकसान हो रहा है कुछ किसानों द्वारा जो दलहन बोई गई थी बारिश होने वो बीज भी खराब हो गया है जिन्हें फिर से बुवाई करना है।

## एलडीए के प्रवर्तन से स्थान्तरित प्रवर्तन के भ्रष्ट सुपरवाइजरों पर अधिष्ठान अधिकारी मेहरबान

### अधिष्ठान अधिकारियो का संरक्षण प्राप्त भ्रष्ट बाबू मोटा चढ़ावा लेकर सुपरवाइजरों व बाबुओं को मलाईदार जगह पर कर रहे तैनाती प्रयास

अवध की आवाज

लखनऊ। सूत्रानुसार लखनऊ विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष अक्षय त्रिपाठी के कड़े निर्देशो के बाद भी अधिष्ठान अधिकारियों का संरक्षण प्राप्त अधिष्ठान के दूषित कार्यशैली के नाम से चर्चित बाबुओ के द्वारा वर्षो से प्राधिकरण के प्रवर्तन में तैनात अवैध निर्माण में कथित भूमिका निभाकर अवैध उगाही करने वाले सुपरवाइजरों के अन्यत्र स्थानांतरित होने के बाद भी अधिष्ठान के इसी माह सेवानिवृति होने वाले भ्रष्ट बाबू सहकर्मियों से मोटा चढ़ावा लेकर पुनः प्रवर्तन में तैनात करने की योजना बना रहे हैं। अब यह देखना है कि इसी में सेवानिवृत्त होने वाला अधिष्ठान का भ्रष्ट बाबू मोटी रकम लेकर स्थानांतरित प्रवर्तन के सुपरवाइजर को पुनः प्रवर्तन मे तैनाती दे पाने में सफल होगा या फिर उसके मंसूबे असफल हो जाएंगे–?यह तो समय ही बताएगा ।हालांकि उक्त भ्रष्टाचारी बाबू के द्वारा मोटी रकम लेकर अनेकों लोगों को मलाईदार जगहों पर तैनाती दी जा चुकी है।

### आरटीओ विभाग में दलालों के माध्यम से अवैध वसूली जारी जिला प्रशासन मौन

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोण्डा। संभागीय परिवहन विभाग में पालतू दलालों के माध्यम से वसूली किए जाने का वायरल हो रहा वीडियो 25 अक्टूबर का बताया जा रहा है। वायरल वीडियो में साफ दिख रहा है कि ट्रांसफर का कार्य देख रहे रमेश शुक्ला अपने काउंटर के अंदर पालतू दलालों को बुलाकर बेखौफ अंदाज में अवैध वसूली कर रहे हैं। बताया तो यहां तक जाता है कि यहां 90 से 95 प्रतिशत कार्य दलालों के माध्यम से इसलिए कराया जाता है कि लेन–देन सिर्फ पालतू दलालों तक ही सीमित रहेगी। बीते दिनों प्रकाशित खबर पर निवर्तमान नगर मजिस्ट्रेट बन्दना त्रिवेदी द्वारा निरीक्षण करने पर भारी खामियां सामने आई थी जिसके बाद कुछ दिनों तक सुधार रहा। अब पुनः पटलकर्मियों के सांठ गांठ से काउंटरों के अंदर व खिड़कियों पर दलालों की भरमार रहने का मामला प्रकाश में आया है। मामले में एआरटीओ बबिता वर्मा का पक्ष लेने का प्रयास किया गया परंतु उन्होंने फोन रिसीव नही किया ततपश्चात आरटीओ उमाशंकर यादव को जानकारी देने पर जवाब मिला कि एआरटीओ से बात करते हैं।

## दागदार अवर अभियंताओं को प्रवर्तन मे बार बार कौन दे रहा तैनाती एलडीए वीसी या मुख्य अभियंन्ता ?

अवध की आवाज

लखनऊ। लखनऊ विकास प्राधिकरण में तैनात होने वाले प्रत्येक उपाध्यक्ष के द्वारा अवैध निर्माणों पर कड़ी कार्यवाही किए जाने के अनवरत फरमान जारी किए गये हैं। लेकिन जमीनी हकीकत में अवैध निर्माण पर कारवाई होने के बजाय दिन प्रतिदिन खुलेआम चौबीसों घंटे अनवरत दिन दोगुने रात चौगुने नियम विरुद्ध निर्माण हो रहे हैं। सबसे बड़ा सवाल यह है कि भूखंड स्वामी द्वारा भूमि से लेकर निर्माण सामग्री तक ऊंचे दामों पर खरीद कर निर्माण आदि कराया जाता है तो फिर अवैध निर्माण कैसे–? बल्कि इसका सीधा सा जवाब है लखनऊ विकास प्राधिकरण के अधिकारियों की दूषित कार्यशैली के चलते जहां अरबों रुपए सरकारी राजस्व

की हानि हो रही है। वही भवन और व्यवसायिक निर्माण करने वाले को अवैध शब्द कहकर अपमानित किया जाता है। यदि निर्माणकर्ता भवन भूखंड स्वामी उक्त अवैध प्लाट व भूखंडों को बिना निर्माण के छोड़ दे तो क्या भू माफियाओं द्वारा भवन भूखण्डो पर किए जा रहे अवैध कब्जों से लखनऊ विकास प्राधिकरण अवैध कब्जो से मुक्ति दिला पाएगा–? हां इतना तो अवश्य हो रहा है कि लखनऊ विकास प्राधिकरण के पूर्व वर्तमान उपाध्यक्षो के द्वारा दिए गए अवैध निर्माण रोकने के फरमानो से अवैध निर्माण तो नहीं रुक पा रहा है। लेकिन

भ्रष्ट व दागदार बार बार प्रवर्तन मे तैनाती लेने वाले अवर अभियंता रवि प्रकाश यादव,एस के सिंह, एस पी सिंह, रंगनाथ आदि जैसे लोगो द्वारा जुगाड बनाकर प्रवर्तन मे तैनाती लेकर खुले आम अवैध निर्माण को पूर्ण कराने का ठेका लेकर खुले आम अवैध निर्माण करवाए जा रहे। ऐसे भष्ट अवर अभियन्ताओ को लखनऊ विकास प्राधिकरण का कौन अधिकारी बार बार तैनाती दे रहा है ?कही ऐसा तो नही ऊँचे पहुंच के चलते वर्षो से एक ही जगह तैनात मुख्य अभियन्ता इन्दूशेखर तो नही है ? जो शासन द्वारा तैनाती लेने वाले प्राधिकरण के उपाध्यक्षो को दिग्भ्रमित करके निजी स्वार्थ की पूर्ति करके शासनादेश के विपरीत अवैध निर्माणो के दागदार अवर अभियन्ताओ को बार बार तैनाती देकर अवैध निर्माण करवाए जा रहे हो ? विदित हो प्रवर्तन जोन 1 मे तैनात प्रभावशाली अवर अभियन्ता रवि प्रकाश यादव के द्वारा तत्कालीन एलडीए उपाध्यक्ष प्रभुनाथ की दुष्टता के कारण श्री सिंह के द्वारा निलम्बन की कार्यवाही प्रारम्भ की गयी थी,लेकिन अवैध निर्माण करवाने मे लिप्त भृष्ट अवर अभियन्ताओ के संरक्षणदाता लखनऊ विकास प्राधिकरण के मठाधीश अधिकारियों द्वारा रवि प्रकाश यादव को निलंबन की कार्यवाही न करके उद्यान अनुभाग में भेज दिया गया गया। उद्यान से पुनरू कुछ दिनों बाद प्रवर्तन में तैनाती दे दी गई ?तैनाती पाते ही भ्रष्ट अवर अभियंता रवि प्रकाश के द्वारा विराज खंड में तैनाती के दौरान नियम विरुद्ध निर्माणाधीन भवन का निर्माण पूर्ण करवाकर अस्पताल खुलवा दिया गया। इतना ही नही प्रभावशाली जेई रवि प्रकाश यादव के संरक्षण मे चलते गोमती नगर के विजय खंड में तैनाती पाते ही बंद पड़ा अवैध निर्माण कार्य प्रारम्भ करवा दिृ गया। वहीं दूसरी ओर सेंन्ट जोजफ अस्पताल के सामने आवासीय भूखंड में व्यवसायिक निर्माण पूर्ण कराकर अध्यासित करवा दिया गया। क्रमशःआगे

उन्नाव। पत्रकार महा सुरक्षा समिति उत्तर प्रदेश के प्रदेश उपाध्यक्ष आदरणीय गुड्डू मिश्रा जी का स्वागत करते हुए भाजपा के बूथ अध्यक्ष धीरज विश्वकर्मा के द्वारा शिष्टाचार भेंट व स्वागत किया गया प्रदेश उपाध्यक्ष जीने भी यथोचित अभिवादन किया।

गोंडा। अपर पुलिस महा निदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा द्वारा जनपद के थानों चौकियों का किया गया औचक निरीक्षण दौरान निरीक्षण त्यौहार रजिस्टर हवालात, थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क एवं अभिलेखों का निरीक्षण कर संबंधित को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश।

# सम्पादकीय

## गणेश शंकर विद्यार्थीः पत्रकारिता जगत के आदर्श

इलाहाबाद में स्कूल हेडमास्टर मुंशी जयनारायण के घर 26 अक्तूबर 1890 को जन्मे गणेश शंकर विद्यार्थी पत्रकारिता जगत के महान् पुरोधा थे। बेमिसाल क्रांतिकारी पत्रकारिता के कारण ही विद्यार्थी जी और उनका अखबार 'प्रताप' आज के दौर में भी पत्रकारिता जगत के लिए आदर्श माने जाते हैं। वह एक निर्भीक, निष्पक्ष, ईमानदार, यशस्वी व क्रांतिकारी पत्रकार, समाजसेवी, महान क्रांतिकारी और स्वतंत्रता सेनानी थे। वे स्वयं तो एक उच्च कोटि के पत्रकार थे ही, उन्होंने अनेक युवाओं को लेखक, पत्रकार तथा कवि बनने की प्रेरणा और ट्रेनिंग दी।

उनके लेखों में ऐसी गजब की ताकत थी कि उनकी पत्रकारिता ने ब्रिटिश शासन की नींद हराम कर दी थी। जब उनकी कलम चलती थी तो ब्रिटिश हुकूमत की जड़ें हिल जाती थी। उनकी लेखनी से ब्रिटिश सरकार इस कदर भयभीत रहती थी कि क्रांतिकारी लेखन के लिए उन्हें अंग्रेजों द्वारा पांच बार सश्रम कारावास और अर्थदंड की सजा दी गई। कांग्रेस के विभिन्न आन्दोलनों में भाग लेने तथा ब्रिटिश सत्ता के अत्याचारों के विरुद्ध 'प्रताप' में निर्भीक लेख लिखने के कारण वे पांच बार जेल गए। जब भी उन्हें गिरफ्तार किया जाता तो उनकी अनुपस्थिति में 'प्रताप' का सम्पादन माखनलाल चतुर्वेदी तथा बालकृष्ण शर्मा 'नवीन' सरीखे साहित्य के दिग्गज संभालते थे। विद्यार्थी जी की प्रारम्भिक शिक्षा उर्दू तथा अंग्रेजी में हुई। इलाहाबाद में शिक्षण के दौरान ही उनका झुकाव पत्रकारिता की ओर हुआ। हिन्दी साप्ताहिक 'कर्मयोगी' के सम्पादन में वे पंडित सुन्दर लाल की सहायता करने लगे। कानपुर में अध्यापन के दौरान उन्होंने कर्मयोगी सहित कुछ अखबारों में लेख लिखे और पत्रकारिता के जरिये स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ गए। कुछ समय पश्चात् उन्होंने पत्रकारिता, सामाजिक कार्यों तथा स्वाधीनता आन्दोलन से जुड़ाव के चलते 'विद्यार्थी' उपनाम अपना लिया और गणेश शंकर से 'गणेश शंकर विद्यार्थी' हो गए। 1911 में हिन्दी पत्रकारिता जगत के पुरोधा पं. महावीर प्रसाद द्विवेदी ने विद्यार्थी जी को अपनी साहित्यिक पत्रिका 'सरस्वती' में उपसम्पादक के पद पर कार्य करने का ऑफर दिया किन्तु उन्हें ज्वलंत समाचारों, समसामयिक तथा राजनीतिक विषयों में ज्यादा दिलचस्पी थी, इसलिए उन्होंने द्विवेदी जी का प्रस्ताव स्वीकारने के बजाय महामना पं. मदन मोहन मालवीय के हिन्दी साप्ताहिक 'अभ्युदय' में नौकरी ज्वाइन की।

एक क्रांतिकारी पत्रकार के रूप में गणेश शंकर विद्यार्थी ने 9 नवम्बर 1913 को कानपुर से स्वयं 'प्रताप' नामक पत्रिका निकालना शुरू कर दिया, जिसके जरिये वे किसानों, मजदूरों और ब्रिटिश अत्याचारों से कराहते गरीबों का दुख–दर्द उजागर करने लगे। ब्रिटिश शासनकाल की उत्पीड़न और अन्याय की क्रूर व्यवस्था के खिलाफ आवाज उठाना उनकी क्रांतिकारी पत्रकारिता का सबसे महत्वपूर्ण अंग था, जो ब्रिटिश हुकूमत को फूटी आंख नहीं सुहाया और इसका खामियाजा उन्हें कई मुकद्दमों, भारी जुर्माने और कई बार जेल जाने के रूप में भुगतना पड़ा। 1920 में उन्होंने 'प्रताप' का दैनिक संस्करण निकालना शुरू किया, जो मूलतः किसानों, मजदूरों और पीडितों का हिमायती समाचारपत्र बना रहा। 'प्रताप' के अलावा उन्होंने 'प्रभा' नामक एक साहित्यिक पत्रिका तथा एक राजनीतिक मासिक पत्रिका का भी प्रकाशन किया।

जनवरी 1921 में रायबरेली के एक ताल्लुकदार सरदार वीरपाल सिंह ने किसानों पर गोलियां चलवाई थी। विद्यार्थी जी ने उस घटना का पूरा विवरण प्रताप में छापा, जिसके लिए उन्हें तथा 'प्रताप' छापने वाले शिवनारायण मिश्र पर मानहानि का मुकद्दमा दर्ज हुआ और उन्हें जेल हो गई। 16 अक्तूबर 1921 को विद्यार्थी जी ने स्वयं गिरफ्तारी दी और 22 मई 1922 को जेल से रिहा हुए। जेल में रहते हुए उन्होंने डायरी लिखी और रिहाई के बाद उसी पर आधारित 'जेल जीवन की झलक' नामक एक श्रृंखला छापी, जिसे बहुत पसंद किया गया और 'प्रताप' के साथ पाठकों का काफिला जुड़ता गया। उसके बाद तो अंग्रेजों ने उन्हें वक्त–बेवक्त लपेटने का कोई अवसर नहीं छोड़ा लेकिन विद्यार्थी अपने क्रांतिकारी विचारों से जरा भी नहीं डिगे। जेल से रिहाई के कुछ ही समय बाद भड़काऊ भाषण देने के आरोप में उन्हें ब्रिटिश सरकार द्वारा फिर गिरफ्तार कर लिया गया और 1924 में तब रिहा किया गया, जब उनका स्वास्थ्य बहुत खराब हो गया था। वह गणेश शंकर विद्यार्थी ही थे, जिन्होंने श्याम लाल गुप्त पार्षद लिखित गीत 'झंडा ऊंचा रहे हमारा' को जलियांवाला हत्याकांड की बरसी पर 13 अप्रैल 1924 से गाया जाना शुरू करवाया था।

1925 में राज्यसभा विधानसभा चुनाव में वे कानपुर से चुने गए और कांग्रेस के कानपुर अधिवेशन की स्वागत–समिति के प्रधानमंत्री भी नियुक्त हुए लेकिन 1929 में उन्होंने पार्टी की मांग पर त्यागपत्र दे दिया, जिसके बाद वे 1930 में उत्तर प्रदेश कांग्रेस समिति के अध्यक्ष चुने गए और उन्हें प्रदेशभर में सत्याग्रह आन्दोलन का नेतशत्व करने की अहम जिम्मेदारी दी गई। उसी दौरान उन्हें फिर गिरफ्तार कर जेल भेज दिया गया और गांधी–इरविन पैक्ट के बाद 9 मार्च 1931 को उनकी जेल से रिहाई हुई।

स्वाधीनता संग्राम के उस दौर में हिन्दू–मुस्लिम एक–दूसरे के साथ कंधे से कंधा मिलाकर सहयोग कर रहे थे लेकिन ब्रिटिश हुकूमत ने दोनों समुदायों की भावनाओं को भड़काने का ऐसा खेल खेला कि जगह–जगह हिन्दू–मुस्लिम साम्प्रदायिक दंगे भड़कने लगे और देशभर में साम्प्रदायिक हिंसा फैलने लगी। कानपुर शहर भी साम्प्रदायिक दंगों की आग में झुलस उठा। विद्यार्थी जी का मन दंगों से बड़ा व्यथित हुआ और वे स्वयं दंगे रोकने तथा दोनों समुदायों में भाईचारा कायम करने के लिए लोगों को समझाते हुए घूमने लगे। कई जगहों पर वे लोगों को समझाने में सफल भी रहे और इन दंगों के दौरान उन्होंने हजारों लोगों की जान बचाई भी लेकिन वे स्वयं दंगाइयों की एक ऐसी टुकड़ी में फंस गए. जो उन्हें पहचानते नहीं थे। उसके बाद उनकी बहुत खोज की गई किन्तु वे कहीं नहीं मिले। आखिरकार उनका पार्थिव शरीर एक अस्पताल में लाशों के ढेर में पड़ा मिला, जो इतना फूल गया था कि लोग उसे पहचान भी नहीं पा रहे थे।

हजारों लोगों की जान बचाने के बावजूद विद्यार्थी जी स्वयं धार्मिक उन्माद की भेंट चढ़ गए और देश ने 25 मार्च 1931 को अपनी क्रांतिकारी पत्रकारिता से ब्रिटिश हुकूमत की नींद उड़ाने वाला निर्भीक पत्रकार खो दिया। जीवन पर्यन्त जिस धार्मिक कट्टरता तथा उन्माद के खिलाफ विद्यार्थी जी आवाज उठाते रहे, वही धार्मिक उन्माद उनकी जिंदगी लील गया। 27 अक्तूबर 1924 को विद्यार्थी जी ने 'प्रताप' में 'धर्म की आड़' शीर्षक से लेख में लिखा था, ''देश में धर्म की धूम है और इसके नाम पर उत्पात किए जा रहे हैं। लोग धर्म का मर्म जाने बिना ही इसके नाम पर जान लेने या देने के लिए तैयार हो जाते हैं। ऐसे लोग कुछ भी समझते–बूझते नहीं हैं। दूसरे लोग इन्हें जिधर जोत देते हैं, ये लोग उधर ही जुत जाते हैं।

## वैक्सिनेशन का शानदार पड़ाव

दृराकेश कुमार मिश्र–

देश में कोरोना संक्रमण के मद्देनजर चल रहे टीकाकरण अभियान के अन्तर्गत 21 अक्टूबर को सौ करोड़ डोज लगाए जाने का कीर्तिमान स्थापित हुआ जिसके लिए सामान्य जनमानस के साथ–साथ अनेकों राष्ट्रों, प्रबुद्धजनों एवं विश्व स्वास्थ्य संगठन तक ने भारत एवं भारतीय नेतशत्व की सराहना की। प्रधानमन्त्री मोदी ने इस मौके पर डॉ. राम मनोहर लोहिया अस्पताल पहुँचकर देश के वैज्ञानिकों एवं टीकाकरण अभियान में लगे डाक्टरों, नर्सों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ को बधाई दी और इस उपलब्धि को देश की जनता की जीत कहा।

इस अवसर पर देश की सौ स्मारकों को तिरंगे की रोशनी में सजाकर उत्सव का रूप भी दिया गया। विश्व स्वास्थ्य संगठन सहित देश विदेश से बधाइयों का क्रम दिन भर जारी रहा। यह हकीकत में देश के लिए बहुत बड़ी उपलब्धि है कि जिस तरह देश के वैज्ञानिकों ने एक वर्ष से भी कम समय में दो स्वदेशी वैक्सीन बनाकर कोरोना से लड़ाई में देश को मजबूती प्रदान की, उसी तरह देश के डाक्टरों एवं पैरा मेडिकल स्टाफ ने नौ माह के भीतर ही सौ करोड़ डोज लगाकर भारत के टीकाकरण अभियान को विश्व का सबसे तेज टीकाकरण अभियान बना दिया। अमेरिका जैसे विकसित देश में भी अबतक 65 प्रतिशत जनसंख्या को ही वैक्सीन की दोनों डोज दी जा सकी है, जिसकी जनसंख्या मात्र 33 करोड़ है। विश्व में अब तक लगी वैक्सीन की 700 करोड़ डोज में से भारत में लगभग 15 प्रतिशत डोज लगी हैं। देश की 18 वर्ष से अधिक उम्र की 94 करोड़ आबादी में 70 प्रतिशत को सिंगल डोज एवं 30 प्रतिशत को दोनों डोज दी जा चुकी हैं। ब्रिटेन एवं यूरोप के देश जिनकी जनसंख्या सात–आठ करोड़ है, वहाँ भी 75 प्रतिशत लोगों को ही दोनों डोज लगी है जिसका मतलब है 15 करोड़ डोज।

देश में विपक्षी दलों का यह हाल है कि वो देश के गौरव के क्षणों में भी गौरवान्वित नहीं होते और न देश की किसी उपलब्धि पर इनके मुँह से एक शब्द निकलता है। मोदी सरकार के प्रति इनकी नफरत एवं विरोध का आलम यह है कि किसी बड़ी उपलब्धि के समय भी यह विरोधी नेता प्रशंसा के स्थान पर झूठे दुष्प्रचार एवं मनगढंत तर्क के द्वारा सरकार को कठघरे में खड़ा करने की कोशिश जरूर करते हैं। ऐसा ही कांग्रेस एवं विपक्ष के नेताओं ने कल भी झूठे एवं मनगढ़ंत आरोप लगाकर किया। इन नेताओं ने अमेरिका एवं यूरोपीय देशों के उदाहरण देकर यह दुष्प्रचार फैलाया कि भारत दोनों डोज लगाकर पूर्ण टीकाकरण के मामले में विश्व में 19 वें नंबर पर है तब सरकार किस उपलब्धि का जश्न मना रही है ?

इन नेताओं को यह भी समझ नहीं आता कि यदि भारत की आबादी अमेरिका के बराबर होती तो अब तक भारत सभी को तीन डोज लगा चुका होता जबकि अमेरिका तो अभी तक दो तिहाई जनसंख्या का ही पूर्ण टीकाकरण कर सका है। यदि भारत की आबादी ब्रिटेन, इटली, फ्रांस जैसे यूरोपीय देशों के बराबर होती तो भारत ने सौ करोड़ डोज लगाने का जो कीर्तिमान स्थापित किया है उससे यूरोप के 6–7 देशों का पूर्ण टीकाकरण हो सकता था। ब्राजील जैसा देश जो कोरोना संक्रमण से प्रभावित देशों में मशत्यु के मामले में अमेरिका के बाद दूसरे नंबर पर है, वह टीकाकरण के मामले में बहुत पीछे है जिसका प्रमुख कारण उसके पास अपनी वैक्सीन का न होना है। भारत, अमेरिका ने वैक्सीन उपलब्ध कराने में ब्राजील की मदद की परन्तु हर राष्ट्र की अपनी भी चुनौतियाँ एवं सीमाएं हैं।

कल्पना कीजिए कि यदि हमारे वैज्ञानिकों एवं डाक्टरों के अथक प्रयासों एवं मोदी जी के नेतशत्व एवं रचनात्मक सहयोग के अभाव में देश को एक नहीं दो स्वदेशी वैक्सीन न मिल पातीं तो केवल वयस्क आबादी के लिए 190 करोड़ डोज कौन उपलब्ध कराता ? भारत की दोनों वैक्सीन प्रभावी होने के साथ–साथ विदेशी वैक्सीन की तुलना में काफी सस्ती है और उनका रखरखाव एवं कोल्ड चेन की शर्तें भी देश की स्थिति के अनुकूल है। अमेरिका एवं ब्रिटेन की वैक्सीन की कोल्ड चेन का प्रबंध भी भारत के दूरदराज के इलाकों में सम्भव न होता क्योंकि उन्हें बहुत कम तापमान पर रखना पड़ता। कहने का अर्थ मात्र इतना है कि विपक्ष को आलोचना से पहले हकीकत पर भी गौर करना चाहिए और मोदी विरोध में देश विरोध की मानसिकता से बचना चाहिए।

ऐसा विपक्ष पहली बार नहीं कर रहा है। जब देश में वैक्सीन आयी तो इन्हीं विपक्ष के नेताओं ने वैक्सीन की सुरक्षा एवं उपादेयता पर भी तरह तरह के कुतर्क दिए जिसने वैक्सीन के प्रति जनता में संकोच एवं बचने की प्रवशत्ति को बढ़ावा दिया विपक्षी नेताओं की जान को खतरा या नामर्दी जैसे हास्यास्पद एवं झूठे तर्क भी विपक्ष ने ही फैलाए जिसका दुष्परिणाम यह हुआ कि पहली दस करोड़ डोज लगाने में 85 दिन का समय लगा। जनवरी से प्रारम्भ टीकाकरण अभियान को गति जुलाई से ही मिल सकी जब सरकार के प्रयासों से काफी हद तक जनता को जागरूक करने में मदद मिली एवं दूसरी लहर के प्रकोप ने भी जनता को टीकाकरण से बचाव के लिए प्रेरित किया। आज देश में 12–13 दिनों में दस करोड़ टीके लग रहे हैं। उम्मीद की जा सकती है कि 31 दिसम्बर तक सबके टीकाकरण के लक्ष्य के काफी करीब हम पहुंच सकते हैं यदि यही गति बनी रहे।

इसी तरह जब वैक्सीन केंद्र सरकार उपलब्ध करा रही थी तो दिल्ली, महाराष्ट्र, राजस्थान जैसे अनेक विपक्षी दलों द्वारा शासित राज्यों के मुख्यमंत्री ने यह मांग की कि राज्यों को भी सीधे वैक्सीन खरीद का अधिकार दिया जाय। जब महीने भर की माथापच्ची एवं मशक्कत के बाद भी कोई कंपनी राज्यों को सीधे एवं तत्काल वैक्सीन देने पर राजी नहीं हुई तो इन्हीं विपक्षी नेताओं ने पुनः केंद्र सरकार से पूर्व की व्यवस्था बहाल करने की गुजारिश की। यदि विपक्ष का रवैया इतना नकारात्मक न रहा होता तो हम सौ करोड़ के कीर्तिमान को महीने दो महीने पहले ही हासिल कर लेते।

दूसरी लहर के प्रकोप ने भी टीकाकरण अभियान में अवरोध खड़ा किया क्योंकि पूरी मशीनरी का फोकस दवा, बेड आक्सीजन पर केंद्रित हो गया। विपक्ष की यह हमेशा आपत्ति रही है कि मोदी जी इवेंट में माहिर हैं। उनका कहना है कि अभी भी करोड़ों लोगों को वैक्सीन की एक डोज भी नहीं पाए और लाखों लोगों की असामयिक मशत्यु कोरोना संक्रमण की दूसरी लहर में अव्यवस्था एवं इलाज के अभाव में हो गई। ऐसे में बधाई एवं जश्न का क्या औचित्य है ? पहले सवाल का उत्तर यह है कि भारत का टीकाकरण अभियान विश्व में तीव्रतम गति से चला है। चीन के दावे को छोड़कर विश्व में कोई राष्ट्र सौ करोड़ डोज के आंकड़े के आसपास भी नहीं है। केवल अमेरिका ने ही अपनी आबादी 33 करोड़ के 65 प्रतिशत भाग का टीकाकरण किया है जो सौ करोड़ डोज से बहुत कम है।

यह सत्य है कि दूसरी लहर इतनी प्रचण्ड थी कि बड़ी संख्या में लोग आक्सीजन एवं बेड की कमी एवं अव्यवस्था के कारण असमय काल कवलित हो गए परन्तु उस समय भी सरकार के अथक प्रयासों से महीने भर के भीतर ही स्थितियों पर काबू पा लिया गया। डॉक्टर एवं विशेषज्ञ तक मानते हैं कि दूसरी लहर में संक्रमण इतना तेज एवं गहन था तथा प्रतिदिन आने वाले केसों की संख्या इतनी अधिक थी कि किसी भी विकसित से विकसित स्वास्थ्य ढाँचे वाले देश के लिए इसका सामना करना सम्भव नहीं था। वैज्ञानिकों एवं डाक्टरों का अंदाजा था कि दूसरी लहर पहली से तेज होगी और इसकी पीक पहली की तुलना में दो से ढाई गुना तक जा सकती है परन्तु यह चार गुना से भी ज्यादा रही और समयावधि भी लम्बी थी। एक अनजान महामारी के लिए तैयारी विशेषज्ञों के अनुमान के आधार पर ही की जाती है और उससे कुछ अधिक ही तैयारी की गई थी परन्तु विशेषज्ञ भी दूसरी लहर की तीव्रता एवं गहनता का अनुमान लगाने में विफल रहे।

जहाँ तक मोदी जी को इवेंट मैनेजर कहने की बात है तो यह मोदी जी के प्रति नकारात्मक धारणा की उपज है। मोदी जी हर काम दिल से एवं पूर्ण समर्पण भावना से करते हैं। ओलम्पिक खेलने जाने वाले खिलाड़ियों के साथ जाने से लेकर उत्साहवर्धन और जीत–हार पर फोन से बात कर बधाई एवं हौसला अफजाई तथा वापसी पर सम्मान एवं सभी से मुलाकात का इसके पहले तो किसी प्रधानमन्त्री के समय नहीं देखा गया। मंगलयान के प्रक्षेपण, सर्जिकल स्ट्राइक एवं एयर स्ट्राइक के समय व्यक्तिगत तौर पर शरीक होना या हर दीपावली सैनिकों के साथ मनाना, इवेंट मैनेजमेंट नहीं वरन उनके व्यक्तिगत समर्पण एवं सहयोग का सूचक है। वैक्सीनेशन की सौ करोड़ डोज पार करने पर बधाई एवं खुशी इस बात की है कि दूसरी लहर जैसी त्रासदी की अब पुनरावृत्ति न हो सके और तीसरी लहर को कमजोर किया जा सके। सौ करोड़ डोज इस संकल्प को शक्ति प्रदान करने में एक महत्वपूर्ण पड़ाव है।

(लेखक स्वतंत्र टिप्पणीकार हैं।)

## मानवाधिकारों से वंचित बांग्लादेशी हिन्दू

–डा समन्वय नंद–

पिछले दिनों सोशल मीडिया में लेटर्स फ्रम बांग्लादेश नामक एक ट्विटर हैंडल से एक वीडियो साझा किया गया था जो काफी वाइरल हो रहा है। इस वीडियो में एक हिन्दू ब्राह्मण पंडाल में मा दुर्गा की पूजा करता हुआ दिख रहे है। लेकिन सामने जो मा दुर्गा की मूर्ति है उसे तोड दिया गया है। वही तोड दिये गये प्रतिमूर्ति के सामने बैठकर ब्राह्मण दुर्गा पूजा की आवश्यक रीति नीति को संपन्न कर रहा है। इस वीडिये के साथ जो बातें लिखी गई है, यदि उसका हिदी में अनुवाद किया जाए तो कुछ इस तरह का होगा।

"मैं बांग्लादेश का अल्पसंख्यक हिन्दू हूं। दुर्गा पूजा मेरा सबसे बडा त्योहार है। मैं हर साल दुर्गा पूजा की प्रतीक्षा मे रहता हूं जब मैं जगद्जननी मा दुर्गा की उपासना करुंगा। लेकिन मेरे मूर्ति को इसलामी गुंडो ने तोड दिया है। इसके बावजुद मैं मौन हूं। मैं इस बारे में कुछ नहीं कह सकता। मैं इसका विरोध नहीं कर सकता। इस मामले में यदि मैं कुछ बोलता हूं तो वे मेरे परिवार पर हमला कर देंगे। मेरे घर को जला देंगे। मेरी संख्या यहां काफी कम है। इसलिए मुझे इसे सहना होगा। यही कारण है कि मैं तोडे गये मूर्ति के सामने ही मेरी पूजा संपन्न कर दी है।"

वास्तव में सोशल मीडिया में प्रसारित यह पोस्ट व वीडियो बांग्लादेश में हिन्दुओ की स्थिति को दर्शाती है। एक इसलामिक देश में हिन्दुओं की स्थिति को समझने के लिए यह पोस्ट व वीडियो पर्याप्त है। बांग्लादेश में केवल पूजा पंडालों को ही नहीं तोडा गया है, मंदिरों पर भी हमला किया गया है। हिन्दु घरों को फूंक दिया गया है। नोआखाली से लेकर कोक्स बाजार, कोमिला, फेणी आदि अनेक स्थानों से हिन्दुओं पर सुनियोजित हमले किये गये हैं। अनेक हिन्दुओंकी हत्या कर दी गई है। हिदु महिलाओं के साथ दुष्कर्म किया गया है। हिंसा का सिलसिला लगातार कई दिनों तक बिना रुके चलता रहा। दशहरे के बाद भी हिंसा जारी रहने की सूचनाएं मिल रही है।

दशहरे के दिन इसलामी कट्टरपंथियों ने नोआखाली के प्रसिद्ध इस्कान मंदिर पर हमला किया। इस्कान मंदिर से जुडे लोगों का कहना है कि शुक्रवार की नमाज के बाद पांच सौ से अधिक लोगों की भीड ने अचानक आकर हमला बोल दिया। इस्कान के साधु व भक्तों ने इसका वीरता के साथ प्रतिरोध किया। मंदिर की मूर्तियां तोडी गई, धर्म ग्रंथ जला दिया गया। प्रभुपाद की मूर्ति तक को नहीं छोडा गया। एक भक्त पार्थ दास का शव अगले दिन पास के तालाब से मिला। काफी नृशंससा के साथ उनकी हत्या की गई थी। उनके शरीर के कई हिस्से काट दिये गये थे। जिस तरह से हिंसा हुई मानो नोआखाली में 1946 के हिंसा दोहराया जा रहा हो। दशहरे के बाद भी रंगपुर जिले से दो गांवों में हिन्दुओं के घर व मंदिरों में आग लगाये जाने की सूचना मिल रही है। हिन्दुओं की संपत्ति के साथ साथ गाय, बैलों को भी जला दिया गया है।

बांग्लादेश की राजधानी ढाका से प्रकाशित होने वाली प्रमुख समाचार पत्र डेली स्टार ने अपने अखबार में एक चार साल के बच्चे आदित्य शाह की खबर प्रकाशित की है। अखबार का संवाददाता उनके घर में जाकर बातचीत करने के बाद यह खबर प्रकाशित की है। इस रिपोर्ट में कहा गया है कि चार साल का मासूम आदित्य अपने मा से बार बार पूछ रहा है, मां, पिताजी कब आयेंगे। आदित्य के पिताजी जतन शाह दशहरे के दिन मंदिर में गये थे। जिहादियों ने उन्हें पीट पीट कर मार डाला था। आदित्य की मा लकी कहती है कि 'मुझे में इतना साहस नहीं है कि मैं बेटे को बता सकूं कि तुम्हारे पिता अब कभी नहीं आयेंगे। 'जनत ही उनके परिवार के एक मात्र कमाने वाले व्यक्ति थे। उनकी हत्या के बाद आगे कैसे उनका परिवार चलेगा इसे लेकर परिवार को चिंता सता रही है।

ये केवल एक आदित्य की बात नहीं है या फिर एक लकी की बात नहीं है। हाल ही में हुए बांग्लादेश में हुए हिन्दू विरोधी हिंसा में ऐसे अनेक आदित्य अनाथ हो गये और ऐसे अनेक लकी हैं जो विधवा हो गई है। लेकिन उन्हे न्याय देने या फिर उनकी सूध लेने वाला कोई नहीं है। बांग्लादेश में हिन्दुओं पर हमला कई नई बात नहीं है। बांग्लादेश को हिन्दू विहीन करने के लिए इसलामी शक्तियां इस तरह के काम लगातार करते आ रहा हैं। इसके कारण बांग्लादेश में हिन्दू आवादी केवल आठ प्रतिशत ही बची है। इस मामले को लेकर इस्कान ने संयुक्त राष्ट्र को पत्र लिख कर अंतरराष्ट्रीय पर्यवेक्षकों की टीम भेजने का अनुरोध किया था।

बांग्लादेश की मेनस्ट्रीम मीडिया में इन हिन्दु विरोधी हिंसा की सही रुप से रिपोर्टिंग नहीं हो रही थी। ऐसे में बांग्लादेश हिन्दू युनिटी काउंसिल व इस्कान बांग्लादेश अपने अपने ट्वीटर हैंडल से हिन्दू विरोधी हिंसा से जुडे फोटो, वीडियो व अन्य सूचनाएं जारी कर रहे थे। इससे शेष विश्व में जानकारी मिल पा रही थी। लेकिन ट्वीटर ने इन दोनों संस्थानों के ट्वीटर अकाउंट को सस्पेंड कर दिया। बांग्लादेश का सच को पूरे विश्व के सामने लाने वाले इन हैंडलों को बंद कर दिया गया। ट्वीटर हमेशा अभिव्यक्ति की स्वतंत्रता की बातें करता है। लेकिन वास्तव में उसकी सच्चाई क्या है उसने इस कदम से स्पष्ट कर दिया। इससे एक बात और प्रमाणित हो गई। हिन्दुओ का मानवाधिकार नहीं होता। हिन्दुओं पर अत्याचार हो, उसे रोकने के लिए कार्रवाई नहीं होगी। यदि कोई वास्तविकता को सामने लाने का प्रयास करेगा तो उसका ट्विटर हैंडल को बंद कर उस चुप्प करा दिया जाएगा।

फिलिस्तीन में सामान्य कुछ होने पर तख्तियां लेकर सढडक पर आ जाने वाले लोग भी बांग्लादेश के हिन्दुओं अत्याचार पर मौन है। बांग्ला अस्मिता की बात करने वाली ममता भी चुप्प हैं। अपने आप को मानवाधिकारों के ठेकेदार बताने वाले भी लगता है गहरी निद्रा में हैं। बांग्लादेशी हिन्दुओं की चीखें राष्ट्र संघ के मानवाधिकार संगठन को भी सुनाई नहीं दे रही है। बांग्लादेशी हिन्दुओं की शायद यही नियति है।

## बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाना जरूरी

–सुखदेव सिंह–

पेट्रोल, डीजल और गैस सिलेंडर की लगातार बढ़ती कीमतों के कारण आजकल महंगाई सातवें आसमान पर पहुंच चुकी है। एक तो कोरोना वायरस की मार, ऊपर से महंगाई बढ़ने की वजह से आम जनमानस आहत है। एक देश, एक ही कानून लागू किए जाने की सरकारें दुहाई देती हैं, मगर पेट्रोल, डीजल पर सरकारें जनता से दोहरा जीएसटी वसूल करके आम आदमी का घरेलू बजट बिगाड़ रही हैं। भारत ही केवलमात्र ऐसा देश है जिसमें सरकार अपनी जनता से सबसे अत्यधिक टैक्स वसूल कर रही है। कच्चा तेल निर्यातक देशों में पेट्रोल, डीजल इतना महंगा नहीं बिक रहा जितनी इसकी कीमतों में आग भारत में लगी हुई है। पेट्रोल सौ रुपए प्रति लीटर का आंकड़ा भी पार कर चुका है। कहने को हिमाचल प्रदेश में अब इलेक्ट्रिकल वाहन चलाए जाने की सरकार घोषणा कर चुकी है। ऐसे में सरकार का राजस्व आखिर कैसे पूरा होगा, यह भी बड़ा सवाल है। हिमाचल प्रदेश जैसे पहाड़ी राज्य में इलेक्ट्रिकल भारी वाहन चलाना दिन में आसमान से तारें तलाश करने के बराबर है। माना कि पेट्रोल, डीजल के कुएं अपने देश में नहीं। केंद्र और राज्य सरकारें चाहें तो पेट्रोल, डीजल के दामों में कुछ कटौती करके जनता को महंगाई की मार से थोड़ी राहत जरूर दिला सकती हैं। केंद्र सरकार पेट्रोल, डीजल पर भारी भरकम जीएसटी सहित राज्य सरकारें भी अलग से वसूल करती जा रही हैं। पेट्रोल, डीजल महंगे होने के कारण प्रत्येक वस्तु के दाम भी बढ़ जाते हैं जिसका खामियाजा आम जनमानस को भुगतना पड़ता है। आज खाद्य वस्तुओं, फल, सब्जियों, दवाइयों, बस किराया, बिजली बिल, सीमेंट, सरिया, रेत, बजरी, सोना और चांदी आदि तक के दामों में कई गुणा वशद्धि हो चुकी है।

सरकारी राशन की दुकानों पर मिलने वाले राशन की कीमतों में लगातार वशद्धि हुई है। केंद्र सरकार ने उचित मूल्य की दुकानों में मिलने वाले खाद्यान्न पर अब सबसिडी बंद कर दी है। हिमाचल प्रदेश की जय राम ठाकुर सरकार कई बार केंद्र सरकार से यह सबसिडी यथावत रखने की गुहार लगा चुकी है, मगर हिमाचली धामों की प्रशंसा करने वाले प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने पहाड़ की मांग को अस्वीकार कर रखा है। नतीजतन प्रदेश सरकार सिर्फ अपने बलबूते पर प्रदेश की जनता को सस्ता राशन उपलब्ध करवाने की कोशिश कर रही है। प्रदेश में बढ़ती राशन कार्डों की संख्या के कारण अब इस राशन की कीमतों में भी भारी उछाल आया है। प्रदेश में 19 लाख 26 हजार 192 उपभोक्ताओं को राशन के डिपो में दालें खरीदने के लिए अब जेब ढीली करनी पड़ेगी। दीपावली पर्व पर इस बार भी पांच सौ ग्राम अतिरिक्त चीनी का कोटा सरकार ने बढ़ाया है। इसके बावजूद डिपो में मलका 67 से 82, मुंगी 53 से 67, रिफाइंड तेल 104 से अब 117 रुपए कीमत कर दी गई है। सरसों तेल की बोतल करीब दो सौ रुपए तक पहुंच चुकी है। सब्जियों और फलों के दामों में बेतहाशा वशद्धि होने के कारण आम आदमी आखिर किस तरह जीवन यापन करे, यह बहुत बड़ी समस्या है। त्योहारों का सीजन देखते हुए सरकार ने मेवे के दामों में कुछेक कटौती जरूर की है। आम आदमी अपनी रोजमर्रा की जरूरतें बड़ी मुश्किल से निर्वहन कर पा रहा है, ऐसे में मेवा खरीदना हर किसी के बस की बात नहीं है। गशहिणियों को धुएं से राहत दिलाने के लिए प्रदेश सरकार ने उन्हें उज्ज्वला गशहिणी योजना के तहत मुफ्त में सिलेंडर बांटे थे। आज गनीमत यह कि एक गैस सिलेंडर भरने की कीमत एक हजार रुपए से भी अधिक है। ऐसे में महिलाओं के लिए गैस सिलेंडर भरवाना अब बहुत मुश्किल काम बन चुका है। नतीजतन महिलाएं अपने आपको ठगा सा महसूस करने लग पड़ी हैं। सरकार ने महिलाओं को सदैव गैस सिलेंडर का इस्तेमाल किए जाने को लेकर ही उन्हें वे वितरित किए थे। मगर महिलाओं ने कभी सपने में नहीं सोचा था कि गैस सिलेंडर के दामों में अचानक कई गुणा वशद्धि होने के कारण उन्हें फिर से अन्य ईंधनों को अपनाना पड़ेगा। सन् 2014 से पूर्व गैस का सिलेंडर करीब चार सौ रुपए में खरीदने पर अच्छी सबसिडी भी बैंक खाते में जमा हो जाती थी। आज गैस सिलेंडर के दाम कई गुणा बढ़ चुके हैं और सबसिडी के नाम पर उपभोक्ताओं को मिल रहे हैं सिर्फ चंद रुपए। सरकारों द्वारा जनता को कृषि से विमुख किए जाने की कोशिश की गई है।

उचित मूल्यों की दुकानों में जब से सस्ता राशन मिल रहा है, अधिकतर किसानों ने खेतीबाड़ी से मुंह ही फेर लिया है। कृषि औजार कबाड़ियों को बेच दिए और पशु पालन भी ऐसे माडर्न किसानों को पसंद नहीं। केंद्र सरकार किसानों की आय दो गुना किए जाने के लिए प्रयासरत है। खेतीबाड़ी में दिलचस्पी नहीं लेने वाले किसानों की आय फिर कैसे बढ़ सकती है? पशुओं के गोबर से बने उपले कभी चूल्हे में ईंधन का काम भी करते थे। लकड़ी पांच सौ रुपए क्विंटल के हिसाब से आजकल बेची जा रही है। गैस सिलेंडर महंगा और घरेलू ईंधन उपले भी घरों में मौजूद न होने की वजह से गशहिणियों को कई समस्याएं झेलनी पड़ रही हैं। अधिकतर घरों में आजकल चाइना मेड इलेक्ट्रिकल चूल्हे पर खाना बनाया जा रहा है। सन् 2014 से पूर्व सीमेंट के दाम करीब दो सौ रुपए प्रति बोरी थे। आज उसी के दाम बढ़कर कई गुना ज्यादा हो गए हैं। इसी तरह स्टील, रेत, बजरी, ईंट, मोटर साइकिल, डिश रिचार्ज भी महंगा हो गया है। यातायात नियमों की अवहेलना करने पर अब दस हजार रुपए जुर्माना है, साथ ही ड्राइविंग लाइसेंस नाममात्र रुपयों में बनने वाला हजारों रुपयों में पहुंच गया है। गैस सबसिडी ढाई सौ रुपए से मात्र तीस रुपए करके प्रदेश की जनता से मजाक किए जाने की कोशिश की गई है। हिमाचल प्रदेश में बनने वाली बिजली पहाड़ के लोगों को महंगे दामों में बेची जा रही है और अन्य राज्यों को सस्ती। यही नहीं बिजली के अतिरिक्त बिलों से जनता खासी त्रस्त है। जयराम ठाकुर सरकार ने अपने चार वर्ष के कार्यकाल में बसों का किराया पचास फीसदी बढ़ाकर गरीब जनता को पैदल चलने के लिए मजबूर कर दिया है। निजी बसों के परिचालक बसों में सवारियां कम बैठे देख कोरोना वायरस समय में कई गुणा अतिरिक्त किराया वसूलकर जनता से अन्याय कर रहे हैं। त्योहारों का सीजन चल रहा है। ऐसे में मिठाई के दाम भी आसमान को छू रहे हैं। बढ़ती महंगाई पर अंकुश लगाने के लिए जयराम ठाकुर सरकार को कड़े कदम उठाने चाहिए।

# समूह ने हनुमानगढ़ी मंदिर पर किया प्रसाद वितरण

अवध की आवाज ब्यूरो

गोण्डा। धानेपुर नीलम महिला स्वयं सहायता समूह धानेपुर ने मंगलवार को राजसदन धानेपुर स्थित श्री हनुमानगढ़ी मंदिर में हलुआ पूड़ी का प्रसाद वितरण किया। समूह की अध्यक्ष नीलम ने बताया कि हमारा समूह बने हुए आज पूरे एक वर्ष हो गए। जिसको लेकर हमारी समूह की सभी दीदियों ने यह निर्णय लिया कि समूह की पहली वर्षगांठ भगवान श्री बालाजी के मंदिर में चलकर उनसे आशीर्वाद लेकर व प्रसाद वितरण कर मनाया जाएगा। इसी निर्माण के क्रम में सभी दीदियों ने मिलकर प्रसाद बनाया व बालाजी के भक्तों में वितरित किया गया। इस दौरान समूह से गीता पटवा, रुचि,रूबी नाई, गुड़िया,नीतू, माया देवी, पुष्पा देवी, धनपता व अन्य सहयोगी उपस्थित रही।

# 28 अक्टूबर को दीपावली मेले का शुभारम्भः

## विभिन्न विभागों की योजनाओं की लगाई जायेगी प्रदर्शनीः

## मेले में लगाये जायेंगे पटरी, रेहड़ी विक्रेताओं द्वारा विभिन्न उत्पादों के बिक्री स्टॉलरू

## मेले में आयोजित होंगे सांस्कृतिक कार्यक्रमः

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। जिलाधिकारी रवीन्द्र कुमार ने बताया कि शासन के निर्देशानुसार दीपावली के अवसर पर जनपद की समस्त नगर पलिकाओं में दिनांक 28 अक्टूबर 2021 से दीपावली मेले का आयोजन तथा 3ध्4 नवम्बर को समापन किया जाना है।

जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद की समस्त नगर पलिकाओं– नगर

पालिका परिषद, उन्नाव क्षेत्रान्तर्गत रामलीला मैदान उन्नाव, नगर पलिका परिषद, गंगाघाट क्षेत्रान्तर्गत बालूघाटध्आनन्द घाट व नगर पलिका परिषद, बांगरमऊ क्षेत्रान्तर्गत इन्दिरा गांधी राजकीय स्नातकोत्तर महाविद्यालय, बांगरमऊ में दीपावली मेला आयोजित किया जाना है। उन्होंने बताया मेले में तीन दिन 28, 29 व 30 अक्टूबर 2021 को सांस्कृतिक कार्यक्रम तथा मेले से सम्बन्धित अन्य गतिविधियां संचालित होंगी। मेले में पटरी, रेहड़ी विक्रेताओं द्वारा विभिन्न उत्पादों के बिक्री स्टाल इत्यादि लगाये जायेंगे व विभिन्न विभागों की विभागीय योजनाओं की प्रदर्शनी स्टाल लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि इसके अतिरिक्त फूड स्टाल, मनोरंजन के झूले व मंचीय कला के प्रदर्शन इत्यादि आयोजित किया जाएगा।

जिलाधिकारी ने बताया कि इस बार दीपावली का पर्व 04 नवंबर को मनाया जा रहा है। उन्होंने बताया कि दीपावली पर विभिन्न प्रकार की घरेलू वस्तुओं और दीपावली त्यौहार से संबंधित जो भी वस्तुएं हैं उसकी बिक्री की जाती है। उन्होंने बताया कि सरकार की महत्वाकांक्षी योजना प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना, जिसके अंतर्गत जो भी हमारे स्ट्रीट वेंडर थे, उनको प्रथम चरण में दस हजार का बैंक से लोन दिया गया था और द्वितीय चरण में बीस हजार का लोन दिया गया है। उन्होंने बताया कि इनके जो प्रोडक्ट्स हैं, जो भी चीज यह बेचते हैं इनमें से बहुत सी ऐसी चीजें हैं जो त्योहारों में उपयोग होती हैं, इसको एक अच्छा मंच देने के लिए, व्यवस्थित तरीके से दुकानें लगाकर विक्रय करने के लिए इस बार शासन द्वारा निर्णय लिया गया है कि दीपावली के अवसर पर समस्त नगर पालिकाओं में दीपावली मेले का आयोजन किया जाए। जिसमें प्रमुख रुप से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के जो लाभार्थी हैं उनकी दुकाने लगवाई जाएंगी और इस त्यौहार से संबंधित जो अन्य लोग हैं जो बाजारों में सामान बेचते हैं और खासकर के त्योहारों के समय सड़क के किनारे दुकान लगाकर सामान बेचने वालों को एक सुंदर वातावरण दिया जाने व एक सुंदर दुकान दिये जाने और एक जगह पर समस्त त्यौहार से सम्बन्धित सामान विक्रय हेतु मेले का आयोजन किया जा रहा है। जिलाधिकारी ने बताया कि जनपद में तीनों नगर पालिकाओं में दीपावली मेले का आयोजन किया जाएगा मेले में दुकानों के लगने के साथ–साथ मेले को और आकर्षक बनाए जाने के लिए सांस्कृतिक कार्यक्रम कराए जाएंगे और साथ ही साथ वहां पर बच्चों के मनोरंजन के लिए कुछ झूले व फूड स्टॉल भी लगाये जायेंगे। उन्होंने बताया कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों का एक संयुक्त प्रयास किया है कि इस मेले में अन्य विभागों की शासन की महत्वाकांक्षी योजनाएं हैं उनके प्रदर्शन हेतु स्टॉल लगाए जाएंगे। उन्होंने बताया कि मेले में सांस्कृतिक कार्यक्रम भी आयोजित किये जायेंगे, जिसमें मुख्य रूप से उद्देश्य रहेगा कि जनपद के लोकल कलाकार हैं उनको भी बढ़ावा मिले। जिलाधिकारी ने बताया कि विभिन्न विभागों के अधिकारियों द्वारा संयुक्त रुप से यह प्रयास किया जा रहा है कि इस दीपावली मेले में निश्चित रूप से प्रधानमंत्री स्वनिधि योजना के लाभार्थियों द्वारा जो अपने सामान बेचे जा रहे हैं उनको एक अच्छा मंच मिलेगा।

# शाहपुर धनावा मार्ग अन्तर्गत फतेहपुर कोटहना गाँव स्थित बंधियाघाट सरयू पुल से बीती देररात्रि में एक पीआरडी जवान ने कूदकर दी जान

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। करनैलगंज शाहपुर धाना वा मार्ग अंतर्गत फतेहपुर कोटहाना गांव स्थित बंददीया घाट सरयू पुल से बीती देर रात में एक पीआरडी जवान ने कूदकर अपनी दे दी जान। अपनी जीवन लीला समाप्त कर लेने का मामला सामने आया है। परसपुर थानाक्षेत्र अन्तर्गत सरैयां गाँव निवासी पीआरडी जवान सत्यदेव के नदी में कूदने की खबर सुबह होते ही पूरे क्षेत्र में जोरो से फैल गयी। घटना की सूचना पर मंगलवार सुबह स्थानीय पुलिस ने पहुँचकर स्थानीय गोताखोरों को लगाकर शव की तलाश शरू करायी काफी देर तक गोताखोरों का सर्च ऑपरेशन जारी रहा और करीब 12 घण्टे की कड़ी मशक्कत के बाद गोताखोरों ने बंधियाघाट पुल से करीब आधा किलोमीटर दूर स्थित पण्डित पुरवा गांव के पास से पीआरडी जवान के शव को खोजने में कामयाबी हासिल की। शव को पुलिस ने पीएम हेतु भेज दिया है। पीआरडी जवान नहीं इस तरह से पानी में कूदकर के अपनी जान क्यों दी इसका मामला सामने नहीं आया है लेकिन मामला कुछ भी रहा हो फिर भी कोई भी व्यक्ति अपनी जान जलकर या पानी में इस तरह कूदकर नहीं देता है इसके पीछे कुछ तो घटना घटित है।

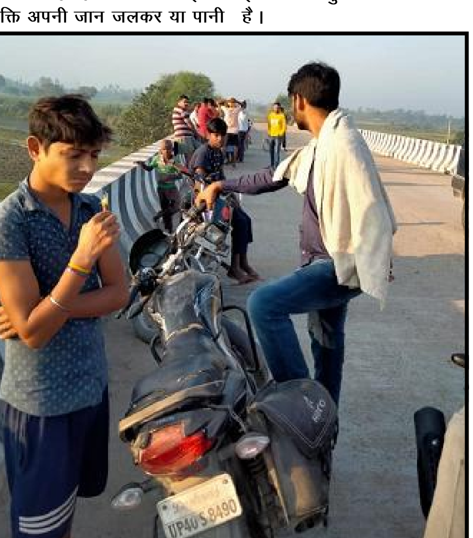


# पेड़ से टकराई मोटरसाइकिल, तीन युवकों की मौत

आजमगढ़। आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर क्षेत्र में तेज रफ्तार से जा रही एक मोटरसाइकिल के पेड़ से टकरा जाने से उस पर सवार तीन युवकों की मौत हो गई। पुलिस अधीक्षक (नगर) पंकज पांडे ने मंगलवार को बताया कि आजमगढ़ जिले के मुबारकपुर थाना क्षेत्र के नेवादा मोहल्ला निवासी फैयाज अहमद के घर में विवाह समारोह था। इसके लिए मऊ जिले के घोसी थाना क्षेत्र के करीमुद्दीनपुर निवासी कलीम (20), आसिफ (18) और मदारपुर हुसैनपुर निवासी फैज (20) सोमवार को सामान लेकर नेवादा आए थे। तीनों देर रात करीब 11 बजे एक ही मोटरसाइकिल पर सवार होकर घर वापस जाने के लिए निकले थे। उन्होंने बताया कि रास्ते में मुबारकपुर थाना क्षेत्र के दरियाबाद पुल के पास उनकी तेज रफ्तार से जा रही मोटरसाइकिल सड़क के किनारे लगे एक पेड़ से जा टकराई। हादसे में तीनों युवकों की जान चली गई। देर रात और सुनसान स्थान पर हादसा होने से लोगों को जानकारी नहीं हो सकी। पांडे ने बताया कि मंगलवार की सुबह राहगीरों ने इसकी सूचना पुलिस को दी। मौके पर पहुंची पुलिस ने तीनों शव कब्जे में लेकर पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया।

# बस और ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर के कारण दो लोगों की मौत, १४ घायल

बाराबंकी। बाराबंकी जिले के देवा क्षेत्र में श्रद्धालुओं को ले जा रही एक बस और एक ट्रैक्टर–ट्रॉली की आमने–सामने की टक्कर में दो लोगों की मौत हो गई तथा 14 अन्य लोग घायल हो गए। पुलिस क्षेत्राधिकारी सीमा यादव ने मंगलवार को बताया कि देवा में हाजी वारिस अली शाह के पिता कुर्बान अली की याद में इन दिनों देवा मेला चल रहा है। श्रद्धालुओं से भरी बस सोमवार रात मेले से वापस देवरिया जा रही थी और लखनऊ के नगराम थाना क्षेत्र से श्रद्धालुओं को लेकर ट्रैक्टर–ट्रॉली मेला स्थल आ रही थी। इसी दौरान मेला स्थल से तीन किलोमीटर पहले देवा–बाराबंकी मार्ग पर इस्माइलपुर के पास दोनों वाहनों की आमने–सामने भीषण टक्कर हो गई। उन्होंने बताया कि पुलिस ने हादसे में घायल हुए लोगों को अस्पताल पहुंचाया। ट्रैक्टर–ट्रॉली में सवार लखनऊ के निगोहा थाना क्षेत्र के मस्तीपुर टिकर निवासी दयालु (50) और नगराम कस्बा निवासी सुभाष (40) की जिला अस्पताल में इलाज के दौरान मौत हो गई। सीमा ने बताया कि इस घटना में घायल 14 अन्य लोगों का जिला अस्पताल में इलाज किया जा रहा है।

# जिला कारागार में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन

अवध की आवाज

कहोबा चौराहा गोंडा। राज्य विधिक सेवा प्राधिकरण, लखनऊ व माननीय जनपद न्यायाधीश श्री मयंक कुमार जैन के निर्देश के अनुपालन में जिला कारागार, गोण्डा में विधिक साक्षरता शिविर का आयोजन एवं निरीक्षण जिला विधिक सेवा प्राधिकरण गोण्डा के सचिव श्री कृष्ण प्रताप सिंह द्वारा कोविड प्रोटोकाल का पालन करते हुए किया गया। विधिक साक्षरता शिविर में सचिव श्री सिंह द्वारा 'विचाराधीन बन्दियों के शिकायतों के निराकरण' के बावत जानकारी देते हुए बताया गया कि जेल में निरूद्ध विचाराधीन बन्दियों के अधिकारों की बात प्रत्येक स्तर पर होती रही है। सर्वोच्च न्यायालय के न्यायमूर्तियों ने अपने कई निर्णयों में सजायफ्ता और विचाराधीन कैदियों के अधिकारों के बारे में उल्लेख किया है। विचाराधीन कैदी या फिर सजायाफ्ता कैदी के अधिकार जेल में भी बने रहते हैं और कानून के हिसाब से ही उनके अधिकारों पर अंकुश लगाया जा सकता है। आपराधिक विधि के अन्तर्गत किसी भी व्यक्ति को तब तक दोषी नही माना जा सकता, जब तक कि न्यायालय आरोपी को दोषी नही मानता। जब भी किसी व्यक्ति के विरूद्ध कोई आरोप लगाया जाता है तो वह मात्र आरोपी होता है। ऐसे में उसे यह संवैधानिक अधिकार है कि उसे अपने बचाव का मौका मिले। इस सन्दर्भ में संविधान के अनुच्छेद–22 में मूल अधिकार है कि प्रत्येक आरोपी को बचाव का मौका दिया जाए। इसके तहत अदालत का कर्तव्य है कि जब भी कोई आरोपी अदालत में पेश हो तो वह उससे पूछे कि क्या उसे वकील चाहिए ? वकील न होने पर अदालत आरोपी को सरकारी खर्चे से वकील मुहैया कराती है। सचिव द्वारा कारागार अस्पताल का निरीक्षण करते समय इलाज हेतु भर्ती बंदीगण के स्वास्थ्य आदि के बारे में पूंछताछ किया गया। बन्दीगण के समुचित इलाज हेतु संबंधित को निर्देशित किया गया। भोजनालय का निरीक्षण कर साफ–सफाई हेतु आवश्यक निर्देश दिया गया। महिला बैरक के बावत महिला बन्दियों को उनके खान–पान, रहन–सहन एवं शुद्ध पेयजल सम्बन्धित सुविधाओं एवं उनकी उचित सुरक्षा के सम्बन्ध में निर्देषित किया गया। इस साक्षरता शिविर में सचिव, श्री सिंह द्वारा आगामी राष्ट्रीय लोक अदालत ( आगामी 11 दिसंबर, 2021) में दीवानी लघु दाण्डिक वाद, फौजदारी, राजस्व चकबन्दी, बिजली चोरी, 125 गुजारा भत्ता, बैंक वाद, वैवाहिक तथा मोटर दुर्घटना प्रतिकर, उत्तराधिकार प्रमाण पत्र एवं धारा 138 एन.आई.एक्ट से सम्बन्धित प्रकरणों को सुलह समझौते के आधार पर निस्तारित कराने हेतु जानकारी प्रदान की गयी। इस अवसर पर जिला कारागार के जेलर दीपांकर भारती, उप कारापाल विवेक सिंह तथा जिला विधिक सेवा प्राधिकरण के लिपिक मुकेश कुमार वर्मा व पराविधिक स्वयं सेवक संजय कुमार दूबे आदि अन्य कर्मचारीगण उपस्थित रहे।

# कुशीनगर एयरपोर्ट से पूर्वी उप्र के विकास को लगेंगे पंख

## सात साल में गोरखपुर और कुशीनगर से हवाई सेवा पूर्वांचल के लिए बड़ी सौगात

लखनऊ, (वेब वार्ता)। कभी पिछड़े इलाके में शुमार रहे पूर्वांचल में बमुश्किल 50 किमी के फासले पर सात साल के अंदर दो –दो हवाई अड्डे से घरेलू और अंतरराष्ट्रीय हवाई सेवा की सौगात पूर्वी उत्तर प्रदेश के लिए किसी सपने के साकार होने से कम नहीं है। दोनों हवाई अड्डे विकास को नयी उड़ान तो देंगे ही साथ ही खराब मौसम में एक दूसरे का विकल्प भी बनेंगे।

खराब मौसम में फ्लाइट कैंसिल होने की समस्या से यात्रियों को बहुत हद तक निजात मिलेगी।

हालांकि घने कोहरे में निर्बाध फ्लाइट के लिए दोनों हवाई अड्डे आधुनिक सुविधाओं से लैस हैं। लेकिन भौगोलिक परिस्थितियों की वजह से गोरखपुर हवाई अड्डे पर अक्सर खराब मौसम की मार यात्रियों पर फ्लाइट कैंसिल होने के रूप में पड़ती है। ऐसी स्थिति में कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे का करीबी विकल्प मिलने से समय और पैसे, दोनों की बचत होगी।

कुशीनगर अंतरराष्ट्रीय एयरपोर्ट के निदेशक एके द्विवेदी का भी कहना है कि दो एयरपोर्ट करीब होने से फ्लाइट कैंसिल होने की स्थिति में हवाई अड्डे का विकल्प मिलेगा। उनका कहना है कि गोरखपुर हवाई अड्डे पर कम दृश्यता में भी निर्बाधा लैंडिंग और टेकआफ की सुविधा के उपकरण लग चुके हैं। कुशीनगर एयरपोर्ट पर भी आने वाले समय में ऐसी व्यवस्था होने के बाद फ्लाइट कैंसिल की समस्या से बहुत हद तक निजात मिल सकेगी।

पर्यटन उद्योग को मिलेगा बढ़ावा

विदेशी पर्यटकों के साथ ही पश्चिमी बिहार, नेपाल सहित आसपास के लोगों को कुशीनगर से सीधी हवाई सेवा की सुविधा उपलब्ध कराएगा। भगवान बुद्ध की महापरिनिर्वाण स्थली होने से कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डे की जरूरत दशकों से थी। कुशीनगर बौद्ध सर्किट का अहम पड़ाव होने से दुनिया भर के बौद्ध अनुयायी अपने जीवन में एक बार जरूर यहाँ आकर तथागत के दर्शन की इच्छा रखते हैं लेकिन सीधी उड़ान न होने से नहीं आ पाते थे। लिहाजा दशकों से तथागत की परिनिर्वाण स्थली पर हवाई सेवा का अभाव खटकता था। हालांकि कसया में हवाई पट्टी अंग्रेजी हुकूमत में सामरिक और व्यापारिक जरूरतों के मद्देनजर द्वितीय विश्वयुद्ध (1942) के दौरान ही बनी थी लेकिन आजादी के दशकों बाद भी कसया की हवाई पट्टी को हवाई अड्डे में तब्दील करने कि किसी सरकार ने इच्छा शक्ति नहीं दिखायी। इतना ही नहीं गोरखपुर से हवाई सेवा भी 80 के दशक में बंद कर दी गयी। बतौर सांसद योगी आदित्यनाथ के मैराथन प्रयास से गोरखपुर में हवाई सेवा बहाल हुई और उन्हीं के अथक प्रयास से गोरखपुर हवाई अड्डे पर नया आधुनिक टर्मिनल भवन बना। मौजूदा दौर में कई शहर एयर कनेक्टिविटी से जुड़ते जा रहे हैं। मुंबई, दिल्ली, हैदराबाद, बेंगलुरु, अहमदाबाद से जुड़ चुका है। शीघ्र ही गोवा की फ्लाइट शुरू होने से यात्रियों की राह और आसान हो जाएगी। गोरखपुर से अभी तक दिल्ली के लिए सर्वाधिक चार नियमित उड़ानें हैं, जिनमें यात्रियों की तादाद के आगे कभी कभी सीटें कम पड़ जाती हैं। कुशीनगर में अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा बनने से पर्यटन उद्योग को बढ़ावा मिलने से रोजगार के नये–नये अवसर सृजित होंगे। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ का कहना है कि यह पूर्वी उत्तर प्रदेश के विकास का द्वार खोलेगा और पांच करोड़ रोजगार के अवसर सृजित होंगे। नये नये उद्योगों के रास्ते खुलेंगे।

थाइलैंड और खाड़ी के देशों से मजदूरों की राह होगी आसान

कुशीनगर इंटरनेशनल एयरपोर्ट खुलने से आने वाले समय में थाइलैंड की राजधानी बैंकाक और खाड़ी के देशों में रोजीरोटी के लिए गये मजदूरों की राह आसान हो जाएगी। अभी तक पूर्वी उत्तर प्रदेश के लोग कोलकाता से बैंकाक और अरब देशों की फ्लाइट लखनऊ या दिल्ली से पकड़ते रहे हैं। कुशीनगर से फ्लाइट सेवा शुरू होने पर उनका पैसा और समय दोनों की बचत होगी। अंतरराष्ट्रीय हवाई अड्डा होने से रात में भी फ्लाइट की सुविधा आगामी कुछ माह में उपलब्ध हो जाएगी। गोरखपुर से फिलहाल शाम तक ही घरेलू उड़ान की सुविधा उपलब्ध है।

# प्रियंका का ट्वीट, नौकरी के लिए खून से खत लिखने को मजबूर युवा

लखनऊ,(वेब वार्ता)। उत्तर प्रदेश में नजदीकी विधानसभा चुनाव देखते हुए कांग्रेस की राष्ट्रीय महासचिव प्रियंका गांधी वाड्रा सक्रिय हो गयी हैं। यही कारण है कि उत्तर प्रदेश की हर छोटी–बड़ी समस्या का स्वयं संज्ञान लेती हैं। इस बीच देखा जा रहा है कि वह प्रदेश की भाजपा सरकार को लगातार घेरने का प्रयास कर रही हैं। वह चाहे बयान जारी कर उत्तर प्रदेश में किसी कार्यक्रम में जाकर या फिर ट्वीट के माध्यम से। इधर लगातार वह उत्तर प्रदेश से जुड़े विषयों पर ट्वीट कर रही हैं। सोमवार को प्रियंका ने ट्वीट कर उत्तर प्रदेश की जनता से वायदा किया कि अगर कांग्रेस की सरकार उत्तर प्रदेश में बनती है तो किसी भी बीमारी में 10 लाख तक का खर्च सरकार वहन करेगी। मंगलवार को युवाओं के मुद्दे पर प्रियंका ने ट्वीटर पर लिखा कि बड़े ही शर्म की बात है कि भाजपा सरकार उन्हें इस कदर प्रताड़ित करती है कि नौकरी मांगने के लिए वे खून से खत लिखने को मजबूर हैं। प्रियंका गांधी ने अभ्यर्थियों द्वारा मुख्यमंत्री को खून से लिखे पत्र को अपने ट्वीटर एकाउंट पर शेयर किया है। अभ्यर्थियों ने करीब एक लाख, 37 हजार, 500 रिक्त पदों को भरने की मांग करते हुए मुख्यमंत्री को पत्र लिखा है।

# भाजपा कार्यालय कानपुर में रेहड़ी पटरी प्रकोष्ठ द्वारा आगामी धनतेरस मेले की तैयारी बैठक हुयी

अचध की आवाज

कानपुर। कानपुर में रेहड़ी पटरी प्रकोष्ठ द्वारा आगामी धनतेरस मेले की तैयारी बैठक हुयी। बैठक की अध्यक्षता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक राकेश गुप्ता एवं सचालन प्रकोष्ठ के जिला सह संयोजक मनीष मिश्रा ने किया। बैठक में मुख्य अतिथि के रूप में जिलाध्यक्ष सुनील बजाज जी की गरिमामयी उपस्थिति रही। बैठक को सम्बोधित करते हुये सुनील बजाज जी ने बताया कि आगामी 28 अक्टूबर 2021 से 3 नवम्बर 2021 तक धनतेरस के शुभ अवसर पर एक विशाल मेले का आयोजन मोतीझील, प्रांगण, कानपुर में किया जायेगा। मेले में सभी रेहडी पटरी की स्टाल लगाने वालों को निशुल्क स्थान एवं छाता उपलब्ध करवाया जायेगा। मेले में सभी जरूरी सुविधाओं को उपलब्ध करवाने हेतु सभी विभागीय अधिकारीयों को निर्देशित किया गया है। आगे उन्होने कहा कि मेला समापन के उपरान्त सभी प्रकोष्ठ पदाधिकारियों से आगामी विधानसभा में फिर से भा.ज.पा सरकार बनाने हेतु हर सम्भव प्रयास करने का संकल्प लिया। बैठक में प्रमुख रूप से प्रकोष्ठ के क्षेत्रीय संयोजक प्रेमनाथ विश्नोई, क्षेत्रीय सह – संयोजक महेन्द्र तिवारी, गोपाल मिश्रा, बब्लू गुप्ता सहित रेहडी पटरी प्रकोष्ठ के मण्डल संयोजक उपस्थित रहे।

# दीवाली मेला आयोजन के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा

सीतापुर (सू0वि0) जिलाधिकारी विशाल भारद्वाज की अध्यक्षता में कलेक्ट्रेट सभागार में सोमवार को महत्वपूर्ण बैठक सम्पन्न हुयी। जिसमें दीवाली मेला आयोजन के संबंध में विस्तारपूर्वक चर्चा की गयी। जिलाधिकारी ने बताया कि शासन के पत्र दिनांक 13 अक्टूबर 2021 में दिये गये निर्देशों के क्रम में दिनांक 28.10.2021 से दीपावली मेले का आयोजन नगर पालिका सीतापुर,खैराबाद, बिसवां, लहरपुर, महमूदाबाद एवं मिश्रित–नैमिषारण्य में किया जायेगा। जिलाधिकारी ने सभी मेला स्थलों के ले–आउट प्लान संबंधित उपजिलाधिकारी, पुलिस क्षेत्राधिकारी एवं अधिशासी अधिकारी द्वारा संयुक्त भ्रमण के उपरान्त तत्काल प्रस्तुत करने के निर्देश भी दिये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि सुरक्षा के पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किये जायें। मेला स्थलों पर निर्बाध विद्युत आपूर्ति सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। इसके अतिरिक्त लगाये जाने वाले स्टाल समुचित एवं समरूपता के साथ लगाये जायें। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि मेला आयोजन स्थल पर स्वच्छता का पर्याप्त प्रबंध सुनिश्चित किया जाये। इसके अतिरिक्त शौचालय, का प्रबंध भी सुनिश्चित किया जाये। पेयजल एवं अन्य आवश्यक मूलभूत सुविधाओं का समय से प्रबंध सुनिश्चित करने के निर्देश भी जिलाधिकारी ने दिये। जिलाधिकारी ने निर्देश दिये कि पार्किंग,अग्निशमन आदि का समुचित प्रबंध किया जाये। खाद्य पदार्थो की गुणवत्ता की जांच भी सुनिश्चित की जाये। जिलाधिकारी ने कहा कि शासनादेश में दिये गये निर्देशों का शतप्रतिशत अनुपालन सुनिश्चित करते हुये समस्त आयोजन कराये जायें।

विकास दीपोत्सव का लोगों हुआ जारी, नगर विकास मंत्री, महापौर लखनऊ संयुक्ता भाटिया, प्रमुख सचिव रजनीश दुबे, नगर आयुक्त ने जारी किया लोगों...

महापौर संयुक्ता भाटिया ने लखनऊ के झूलेलाल वाटिका में 28 अक्टूबर से 3 नवम्बर तक लगने वाला दीपावली मेले/दीपोत्सव की तैयारियों का निरीक्षण किया और अधिकारियों को आवश्यक निर्देश दिए।

# गणपत में टाइगर श्राफ के पिता का किरदार निभायेंगे अमिताभ बच्चन!

मुंबई, (वेब वार्ता)। बॉलीवुड के महानायक अमिताभ बच्चन सिल्वर स्क्रीन पर टाइगर श्राफ के पिता का किरदार निभाते नजर आ सकते हैं। टाइगर श्रॉफ इन दिनों का किरदार अमिताभ बच्चन निभाते नजर आ सकते हैं। बताया जा रहा है कि टाइगर श्रॉफ फिल्म 'गणपत' में एक बॉक्सर की भूमिका निभा रहे हैं। फिल्म में

अपनी आने वाली फिल्म 'गणपत' को लेकर चर्चा में हैं। विकास बहल के निर्देशन में बन रही फिल्म 'गणपत' में टाइगर श्रॉफ के साथ कृति सैनन भी अहम किरदार में नजर आने वाली हैं। चर्चा है कि इस फिल्म में टाइगर श्रॉफ के पिता दिखाया जाएगा कि उनके ऑनस्क्रीन पिता भी अपने शुरुआती दिनों में एक बॉक्सर थे। यदि सब कुछ सही रहा तो अमिताभ बच्चन और टाइगर श्रॉफ पहली बार ऑनस्क्रीन बाप–बेटे की भूमिका में दिखाई देंगे।

# फेसबुक का मुनाफा 17 प्रतिघात बढ़ा

मेनलो पार्क (वेब वार्ता)। सोशल मीडिया दिग्गज फेसबुक ने बताया कि जूलाई–सितंबर 2021 तिमाही के दौरान उसकी शुद्ध आय 17

फीसदी बढ़कर 9.19 अरब अमेरिकी डॉलर या 3.22 डॉलर प्रति शेयर हो गई। कंपनी को एक साल पहले की समान अवधि में 7.85 अरब अमेरिकी डॉलर या 2.71 डॉलर प्रति शेयर का मुनाफा हुआ था। समीक्षाधीन अवधि में फेसबुक की आय 35 प्रतिशत बढ़कर 29.01 अरब डॉलर हो गई। इस दौरान उसकी विज्ञापन आय में मजबूत बढ़ोतरी हुई। फैक्टसेट के एक सर्वेक्षण के अनुसार विश्लेषकों को औसतन 24.49 अरब अमेरिकी डॉलर की आय के साथ प्रति शेयर 3.19 अमेरिकी डॉलर के मुनाफे की उम्मीद थी।

## अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन में एसपी गोंडा ने जनपद के कई थानों ,,चौकियों का किया निरीक्षण,

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा द्वारा जनपद के थानों चौकियों का किया गया औचक निरीक्षण दौरान निरीक्षण त्यौहार रजिस्टर, हवालात, थाना कार्यालय, महिला हेल्प डेस्क एवं अभिलेखों का निरीक्षण कर संबंधित को दिए गए आवश्यक दिशा निर्देश।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। चुनावी संघर्ष पूरी चरम सीमा पर चल रहा है उत्तर प्रदेश चुनाव आते ही सभी पार्टियां अपने अपने चुनावी जुमले और विकास कार्यों को मुद्दा बनाते हुए जनता का विश्वास जीतने में लगी हुई है आज उन्नाव में कांग्रेस पार्टी की महासचिव प्रियंका ंधी के स्लोगन कांग्रेस प्रतिज्ञा यात्रा हम वचन निभायेंगे के साथ की यात्रा निकाली गई अचलगंज चौराहा उन्नाव पर नुक्कड़ जनसभा भी की गई।

# लवलीना और शिव थापा एआईबीए एथलीट समिति में जगह के दावेदार

नयी दिल्ली, (वेब वार्ता)। ओलंपिक कांस्य पदक विजेता लवलीना बोरगोहेन और पांच बार के एशियाई पदक विजेता शिव थापा अंतरराष्ट्रीय मुक्केबाजी संघ (एआईबीए) की एथलीट समिति में एशिया का प्रतिनिधि बनने की दौड़ में हैं, जिसका गठन पुरुषों और महिलाओं की विश्व चौंपियनशिप के दौरान मतदान से किया जाएगा। पुरुषों का विश्व चौंपियनशिप अभी बेलग्रेड में चल रही है, जहां थापा 63.5 किग्रा वर्ग में प्रतिस्पर्धा पेश कर रहे हैं। महिला विश्व चौंपियनशिप का आयोजन दिसंबर में तुर्की में किया जा सकता है। लवलीना को तोक्यो ओलंपिक के प्रदर्शन के आधार पर भारतीय टीम में जगह मिली है। एआईबीए को पांच परिसंघों से 34 नामांकन प्राप्त हुए, जिनमें से 27 को योग्य पाया गया। लवलीना और थापा में से यदि किसी को चुना जाता है, तो यह लगातार दूसरी बार पैनल में भारत की उपस्थिति सुनिश्चित करेगा। पूर्व विश्व चौंपियन एल सरिता देवी को अंतरिम अध्यक्ष मोहम्मद मुस्तहसेन के कार्यकाल के दौरान 2019 में एथलीट समिति में निर्विरोध चुना गया था। एशियाई ब्लॉक के दावेदारों में तीन महिलाएं और चार पुरुष शामिल हैं। लवलीना को उत्तर कोरिया की पूर्व विश्व चौंपियन और दो बार की एशियाई पदक विजेता पैंग चोल मिह और कजाकिस्तान की दो बार की विश्व चौंपियन और मौजूदा एशियाई स्वर्ण पदक विजेता नायजम किजैबे से चुनौती मिलेगी। थापा का सामना उज्बेकिस्तान के मौजूदा ओलंपिक चौंपियन बखोदिर जलोलोव, पाकिस्तान के अवैस अली खान और कजाकिस्तान के दो बार के विश्व और एशियाई चौंपियनशिप पदक विजेता अबलाखान झुसुपोव से होगा। प्रत्येक परिसंघ से एक महिला और एक पुरुष सदस्य एथलीट समिति में चुना जाएगा।

# अमित शाह 29 अक्टूबर से लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर रहेंगे

लखनऊ, (वेब वार्ता)। केंद्रीय गश्ह मंत्री अमित शाह 29 अक्टूबर से लखनऊ के दो दिवसीय दौरे पर होंगे, इस दौरान वह भाजपा के मेगा सदस्यता अभियान को हरी झंडी दिखाएंगे और चुनावी तैयारियों पर चर्चा करेंगे। भारतीय जनता पार्टी (भाजपा) शुक्रवार को सदस्यता अभियान शुरू करेगी, जिसका उद्देश्य 1.5 करोड़ से ज्यादा नए सदस्यों को जोड़ना है। राज्य में पार्टी के पहले से ही लगभग 2.3 करोड़ सदस्य हैं। इनमें वे लाखों लोग शामिल हैं जिन्होंने पार्टी द्वारा साझा किए गए एक समर्पित नंबर पर मिस्ड कॉल देकर पार्टी के लिए अपनी पसंद की पुष्टि की है। सदस्यता अभियान का महत्व इसलिए है क्योंकि भाजपा ने 2017 के विधानसभा चुनावों में जीती गई 312 सीटों के साथ 39.67 प्रतिशत वोट हासिल करने के लिए अपनी सीटों में सुधार करने का लक्ष्य रखा है। शाह का दौरा इस तथ्य के मद्देनजर भी महत्वपूर्ण है कि पार्टी आगामी विधानसभा चुनावों में सत्ता विरोधी लहर को कम करने के लिए मौजूदा विधायकों के टिकट बदलने पर विचार कर रही है। पार्टी के एक वरिष्ठ पदाधिकारी ने कहा, बड़े पैमाने पर परिवर्तन कभी रिस्क प्रूफ नहीं हो सकते हैं, लेकिन इसे करने में ज्यादा सावधानी बरतनी होगी। इस बार फायदा यह है कि पार्टी संगठन पहले से कहीं अधिक

पार्टी उन नेताओं को भी टिकट देने के लिए प्रतिबद्ध है जो अन्य दलों से शामिल हुए हैं। हालांकि, पार्टी के नेताओं के एक वर्ग को लगता है कि बड़े पैमाने पर टिकट बदलने से असंतुष्टि और नाकारात्मक प्रतिक्रिया हो सकती है। मजबूत है और ऐसी स्थितियों में यह शॉक ऑब्जर्वर के रूप में काम कर सकता है। पार्टी सूत्रों ने कहा कि वरिष्ठ नेता मौजूदा विधायकों के प्रदर्शन के बारे में फीडबैक पर विस्तार से काम कर रहे हैं और फीडबैक की क्रॉस चेकिंग भी कर रहे हैं।

# जिलाधिकारी ने की मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा जनपद में की गई घोषणाओं वाले बिन्दुओं की समीक्षा, सम्बन्धित को दिये कार्यो में तेजी लाने के निर्देशरू

## जिलाधिकारी ने की रुपये 50 लाख से कम लागत वाली परियोजनाओं की समीक्षारू

## निर्माणाधीन अधूरी परियोजनाउन्प्रगति को बढ़ाये जाने पर जोरः

## जिलाधिकारी ने दिए सभी निर्माणाधीन कार्यों को गुणवत्तापूर्ण कराने के निर्देशरू

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। जिलाधिकारी श्री रवीन्द्र कुमार की अध्यक्षता में कल देर शाम विकास भवन सभागार में 50 लाख से कम लागत की निर्माणाधीन अधूरी परियोजनाओं की प्रगति के बारे में विभिन्न परियोजनाओं की गुणवत्ता को परखने से सम्बन्धित विभिन्न विभागों के अधिकारियों के साथ समीक्षा बैठक का आयोजन किया गया। जिलाधिकारी ने मा0 मुख्यमंत्री जी द्वारा जनपद के लिये की गई घोषणा वाले कार्यों के लोकार्पण एवं शिलान्यास की परियोजनाओं की प्रगति समीक्षा की। उन्होंने 50 लाख से कम लागत की निर्माणाधीन अधूरी परियोजनाओं की प्रगति के बारे में विस्तार से चर्चा की। निर्माणाधीन परियोजनाओं की गुणवत्ता को परखने के लिये निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने यह भी निर्देश दिये कि 50 लाख की कम लागत वाली निर्माणाधीन परियोजनाओं का सत्यापन एवं गुणवत्ता की जांच तत्काल करायी जाय। उन्होंने अधूरे कार्यो को शीघ्र पूरा करने के निर्देश दिए। जिलाधिकारी ने लक्ष्य के सापेक्ष्य कम प्रगति पाये जाने पर सम्बन्धित अधिकारियों को कड़ी चेतावनी देते हुये निर्धारित समय में लक्ष्य की पूर्ति करने के निर्देश दिये। जिलाधिकारी ने संबंधित को यह भी निर्देश दिये कि सम्बन्धित विभाग यह सुनिश्चित कर ले कि जिन विभागों का कार्य अभी भी लक्ष्य के सापेक्ष पूरा नही है उसे तत्काल पूरा कराया जाये। विकास खण्ड बांगरमऊ में नगर पंचायत ताजपुर, छतरापुर, सिन्धुपुर बेरियागाडा, नेवल–2, विकास खण्ड नवाबगंज में नगर पंचायत भौली के अन्तर्गत भौली–06, भौली–04, विकास खण्ड एफ–84, सफीपुर, हसनगंज, नवाबगंज, बांगरमऊ आदि के आगनबाड़ी के निर्माण कार्यों पर समीक्षा की। जिलाधिकारी ने 50 लाख से कम लागत की निर्माणाधीन अधूरी परियोजनाओं की प्रगति की समीक्षा की कुछ परियोजनाओं की प्रगति संतोषजनक न पाये जाने पर नाराजगी व्यक्त करते हुये सम्बन्धित को कड़ी चेतावनी दी। सभी का कार्य ससमय व गुणवत्तापूर्ण तरीके से सम्पन्न करा लिये जायें इसमें किसी भी प्रकार की कोताही न बरती जाये अन्यथा की दशा में सम्बन्धित के विरूद्ध कड़ी कार्यवाही की जायेगी। बैठक में मुख्य विकास अधिकारी श्री दिव्यांशु पटेल, जिला अर्थ एवं संख्या अधिकारी श्री राजदीप वर्मा, सहित समस्त सम्बन्धित अधिकारी कर्मचारी आदि उपस्थित रहे।

अवध की आवाज ब्यूरो

उन्नाव। सदर विधायक पंकज गुप्ता ग्राम राम नगरीया में आयोजित चौपाल में एक सड़क एक बडा नाला बनवाने के बाद आज जनता की माँग पर कुआँ का जीर्णोद्धार नाली,एक सड़क स्कूल की बाउंड्री एवं एक पानी की टंकी की घोषणा कर जनता को सम्बोधित करते हुए।

# अक्टूबर को हिंदू विरासत माह के तौर पर मना रहे हैं अमेरिकी

वाशिंगटन, (वेब वार्ता)। अमेरिका के लोग अक्टूबर को हिंदू विरासत माह के रूप में मना रहे हैं और देश के 50 राज्यों में से 20 से अधिक राज्यों और 40 से अधिक शहरों ने इसके बारे में घोषणाएं जारी की हैं। समुदाय के नेताओं ने सोमवार को यह जानकारी दी। देश में हिंदू समूहों की इस पहल का निर्वाचित प्रतिनिधियों ने स्वागत किया है और उन्होंने अमेरिका में इस अल्पसंख्यक समुदाय के योगदानों को पहचानने के लिए घोषणाएं तथा अधिसूचनाएं जारी की हैं। एक मीडिया विज्ञप्ति में कहा गया है कि दुनियाभर में हिंदू नवरात्रि, दशहरा, दुर्गा पूजा और दीपावली अक्टूबर के आस–पास मनाते हैं, इसलिए अमेरिका स्थित कई हिंदू संगठनों ने इस महीने को हिंदू विरासत माह के तौर पर मनाने का फैसला किया है। इसमें कहा गया है कि योग से लेकर विस्कॉन्सिन, मिसौरी, इंडियाना और मिशिगन शामिल हैं। हिंदू नेता बिंदू पटेल ने समुदाय की सराहना करने और हिंदू विरासत माह गतिविधियों का समर्थन करने के लिए आभार व्यक्त करते

भोजन, त्योहारों से लेकर परमार्थ, नश्त्य से लेकर संगीत और अहिंसा से लेकर गहन दर्शन तक, हिंदुओं के इन तौर–तरीकों ने अमेरिका में सभी के जीवन पर असर डाला है। हिंदू विरासत माह के रूप में अधिसूचनाएं जारी करने वाले राज्यों में टेक्सास, ओहायो, न्यू जर्सी, मैसाचुसेट्स, जॉर्जिया, फ्लोरिडा, मिनेसोटा, वर्जीनिया, नेवादा, मिसिसिपी, डेलावेयर, उत्तरी कैरोलाइना, पेंसिल्वेनिया, मैरीलैंड, न्यू हैम्पशायर, कनेक्टिकट, हुए कहा कि हिंदू स्वयंसेवक संघ (एचएसएस) स्थानीय धार्मिक समुदाय के साथ काम कर रहा है और समाज को कुछ देने की भावना से दीपावली को ''सेवा दिवाली–भोजन अभियान'' के तौर पर मना रहा है। विज्ञप्ति में कहा गया है, ''इस साल दीपावली नवंबर के पहले सप्ताह में है। अतः ऐसी उम्मीद की जाती है कि हिंदू विरासत माह स्वाभाविक तौर पर कुछ और हफ्तों तक बढ़ाया जाएगा।

# सेहत

## एसिडिटी में जरूर अपनाएं ये घरेलू नुस्खे

एसिडिटी एक बहुत ही आम समस्या है जो हर दिन किसी ना किसी को होती ही है। जब एसीडिटी होती है तब सीने और छाती में जलन होने लगती है। खाने का सही तरीके से पाचन नही होता है जिससे बाद में घबराहट, खट्टी डकारों के साथ गले में जलन सी महसूस होती है। अगर आपको एसिडिटी, पेट दर्द और गैस जैसी समस्या है तो जरूर आजमांए ये घरेलू नुस्खे और पाएं एसिडिटी से राहत।

–खाली पेट रोज सुबह नींबू पानी पियें। इससे आपके पेट में कभी भी एसिडिटी नहीं होगी। आप इसको पी कर अपना वजन भी घटा सकते हैं।

–ग्रीन टी चाय पीने की जगह पर ग्रीन टी पियें क्योंकि इसमें एंटीऑक्सीटडेंट होता है जो इंफेक्शडन और एसिडिटी को जल्दग ठीक करता है। आप चाहें तो ग्रीन टी में नींबू का रस भी मिक्सह कर सकती हैं।

–एसिडिटी का पेट दर्द दूर करने के लिये फ्रिज में रखा ठंडा दूध बडेढ काम आ सकता है। अगर रात में एसिडिटी बनें तो ठंडा दूध पियें।

–एप्प ल साइडर वेनिगर एक गिलास ठंडे पानी में 1 छोटा चम्मठच एप्पबल साइडर वेनिगर मिक्सो करें और धीरे धीरे कर के पियें। इससे आपके पेट को राहत मिलेगी और इंफेक्शडन भी दूर होगा।

–छाछ या मठ्ठा छाछ में एक चुटकी नमक डाल कर पियें। आपको 5 मिनट में ही राहत मिल जाएगी। इसको बिना काली मिर्च डाले ही पियें।

–चावल का पानी चावल को खुले भगौने में पका कर उसका पानी निकाल कर उसमें नींबू का रस मिक्स। करें। इसे पियें और एसिडिटी से राहत पाएं।

# अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन में एसपी संतोष कुमार मिश्रा ने भ्रमण कर संदिग्ध व्यक्तियों से पूछताछ की।

अवध की आवाज ब्यूरो

गोंडा। अपर पुलिस महानिदेशक गोरखपुर जोन के निर्देशन में पुलिस अधीक्षक गोंडा संतोष कुमार मिश्रा द्वारा देर रात्रि क्षेत्र में भ्रमण सील होकर चौराहों पर संदिग्ध व्यक्तियों, वाहनों की चेकिंग कर आने जाने वाले राहगीरों से संवाद स्थापित कर रात्रि में भी दिलाया गया सुरक्षा का भरोसा। पुलिस अधीक्षक संतोष कुमार मिश्रा ने बताया कि आप लोग किसी प्रकार की चिंता मत करें और वादा करता हूं कि पूरे जिले में शांति व्यवस्था बरकरार रहेगी किसी प्रकार की कोई अनहोनी नहीं होने देंगे इस तरह से उन्होंने रात में भ्रमण करके लोगों से बातचीत किया जो भी व्यक्ति संदिग्ध लगे उससे पूछताछ किया इतनी देर रात आप लोग कहां घूम रहे हो और लोगों को भरोसा दिलाया कि आप लोग अपने आप को असुरक्षित ना समझे क्योंकि हर वक्त शासन–प्रशासन अर्थात पुलिस प्रशासन आप लोगों के हर दुख सुख में सहयोग के लिए तत्पर हैं।

अवध की आवाज हिन्दी दैनिक, प्रकाशक ,मुद्रक व स्वामी,अनिल कुमार सिंह द्वारा स्काई लाइन प्रिन्टर्स,119/23 खन्दारी लेन, लालबाग, लखनऊ उ0प्र0 से मुद्रित तथा डी–97/3 व 7,सेक्टर–7, इन्दिरा नगर,लखनऊ,उ0प्र0 से प्रकाशित। सम्पादक अनिल कुमार सिंह फोन : 0522–4340954
मो0–7905407289, Email: avadhkiaawaz@gmail.com
R.N.I.- UPHIN/2012/45127
नोट : समाचार पत्र से सम्बंधित सारे विवादोंका न्याय क्षेत्र लखनऊ होगा।